सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.parivahanvishesh.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 15, नई दिल्ली | शुक्रवार, 31 मार्च 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

हर व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके विचारों पर निर्भर करता है, वहीं अच्छे विचार व्यक्ति को विकास के पथ पर अग्रसर करते हैं।

इनसाइड

इंदौर से जयपुर और जबलपुर के बीच चलेगी वंदे भारत ट्रेन, छह घंटे में पहुंचेंगे

इंदौर। इंदौर-रतलाम मंडल ने भेजा प्रस्ताव, अनुमति का इंतजार, ट्रेन के मेंटनेंस के लिए भी मंडल ने ही जिम्मेदारी ली। देश की सबसे तेज गति से चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन (Vande Bharat Express train) के सफर की मांग लगातार बढ़ती ही जा रही है। अब मध्यप्रदेश में भी इसके लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इंदौर से जयपुर और जबलपुर के लिए वंदे भारत ट्रेन चलने का प्रस्ताव भेजा गया है। अगले महीने तक देश की सबसे तेज गति से चलने वाली यह ट्रेन इन शहरों के बीच ट्रैक पर दौड़ती नजर आ सकती है। रतलाम मंडल द्वारा भेजे गए इस प्रस्ताव में बताया गया है कि मंडल की तैयारियां पूरी हैं, जैसे ही अनुमति मिलेगी योजना को मूर्त रूप दे दिया जाएगा। इंदौर रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि रतलाम मंडल के द्वारा यह प्रस्ताव भेज दिया गया है। इससे कई शहरों के लोगों को फायदा होगा।

मैट्रो-4 और रिंग रोड-3 निर्माण को मिलेगी रफ्तार

डीडीए के 22-23 के 7000 करोड बजट को मंजूरी

एस.डी. सेठी

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बोर्ड की उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में वर्ष 2022-23 के 7,634 करोड रूपये से ज्यादा के बजट को मंजूर किया गया। बजट में दिल्ली के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए सडक यातायात को सुगम बनाने के तहत तीसरे रिंग रोड के निर्माण के अलावा मैट्रो के वृहद चौथे चरण को रफ्तार देने साथ-साथ हरित दिल्ली बनाने पर खासा जोर दिया गया है।

वहीं ज्यादा जोर तीसरे रिंग रोड निर्माण को लेकर है। जिसमें रेला, द्वारका, रोहिणी का विकास , यमुना डूब क्षेत्र के पुनर्विकास और ईडब्लयूएस फ्लैट के निर्माण पर भी जोर रहेगा। डीडीए तीसरे रिंग रोड के रूप में अर्बन एक्सटेंशन रोड का निर्माण (एनएचएआई) के साथ कर रहा है। इसके लिए 3600 करोड रूपये डीडीए देगा। इससे रोहिणी और नरेला के साथ कनेक्टिविटी बढ जाएगी। रोहिणी सेक्टर 20,21,22 और अभी तक अविकसित लावारिस सेक्टर 39,40 और 41 में पानी के जमाव को रोकने के लिए 293.21 करोड 7.2 लंबी ट्रंक ड्रेन बनेगी।नेहरू प्लेस और भैयाजी कामा प्लेस व्यवसायिक केंद्रों को अपग्रेड किया जाएगा। बहुमंजिला कार पार्किंग के निर्माण सहित नवीनीकरण का काम होगा। यमुना के डूब क्षेत्र के कायाकल्प के लिए 10परियोजनाओं पर 405 करोड रूपये होंगे।द्वारका वंदना पार्क के लिए 105 करोड का प्रावधान। मैट्रो के चौथे चरण में नरेला से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए 1000 करोड रूपये डीडीए को देने हैं। जबकि 350 करोड का प्रावधान किया। द्वारका सेक्टर 8,17,19 और 23 खेल परिसर की शुरुआत इसी साल के अंतहत तक होगी।

परिवहन विभाग द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों को किया दरकिनार

संजय बाटला

नई दिल्ली। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा 2012 में जारी किया था दिशा निर्देशः-

A. कोई भी व्यवसायिक श्रेणी का वाहन बिना परमिट नही चल सकता दिल्ली की सड़को पर परिवहन विभाग द्वारा स्वयं चलवाए जा रहे बिना परमिट व्यवसायिक वाहन

B. माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी किया गया दिशा निर्देश :-दिल्ली की सड़को पर बिना पंजीकृत कोई भी ई रिक्शा नही चलेगा पर परिवहन विभाग की शय और शरण शाया से चल रहे हैं अनगिनत,

C. माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा जारी दिशा निर्देश :- दिल्ली की मुख्य सड़को पर नही चलेगा ई रिक्शा पर परिवहन विभाग की शय पर सभी मुख्य सड़को पर बिना पंजीकरण, बिना इंश्योरेंस बिना चालक लाइसेंस के चल रहे हैं ई रिक्शे आख़िर क्यों परिवहन विभाग बिना खौफ माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों को कर रहा है अनदेखा, और सबसे बड़ी बात माननीय उच्च न्यायालय ने भी नही लिया कोई संज्ञान ???

यात्रा होगी और सुगम: मां वैष्णो के भक्तों कटड़ा में एक जगह मिलेगी रेल, हेलिकॉप्टर और सड़क यातायात की सुविधा

इंटर माडल स्टेशन में एक स्थान पर ही रेल, हेलिकॉप्टर, सड़क परिवहन के अलावा होटल, रेस्टोरेंट आदि सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यात्रियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए फाइव स्टार से लेकर सामान्य श्रेणी के होटल व अन्य ढांचागत सुविधाएं तैयार की जाएंगी।

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी के श्रद्धालुओं की यात्रा को और सुगम बनाने के लिए कटड़ा में इंटर माडल स्टेशन के लिए जगह तय हो गई है। नए बस स्टैंड व इसके आसपास की 25 एकड़ भूमि पर प्रतिष्ठित परियोजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा। कटड़ा डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल सिंह ने इसकी पुष्टि की है। इंटर माडल स्टेशन में एक स्थान पर ही रेल, हेलिकॉप्टर, सड़क परिवहन के अलावा होटल, रेस्टोरेंट आदि सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यात्रियों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए फाइव स्टार से लेकर सामान्य श्रेणी के होटल व अन्य ढांचागत सुविधाएं तैयार की जाएंगी। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार देश व विदेश से हर साल श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को यात्रा के आधार शिविर कटड़ा में बेहतर ढांचागत और परिवहन की सुविधाएं इंटर माडल स्टेशन के माध्यम से एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। राष्ट्रीय महत्व की इस परियोजना से यात्रियों की यात्रा ओर सुगम और यादगार बनेगी। कटड़ा डेवलपमेंट अथारिटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोपाल सिंह के अनुसार संबंधित एजेंसियों ने केडीए के साथ मिलकर कटड़ा में नए बस स्टैंड व इसके आसपास की 25 एकड़ भूमि को इंटर माडल स्टेशन के लिए फाइनल कर दिया है। डीपीआर बनाने का काम चल रहा है। उम्मीद है कि डीपीआर को मंजूरी के बाद इसी साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा। इंटर माडल स्टेशन बनने से यात्रियों को बस या रेल या हेलिकाप्टर के लिए इधर उधर भागने की जरूरत नहीं होगी। वहीं होटल, रेस्टोरेंट व अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध होने से यात्रा सुगम बनेगी। वहीं यात्रियों की भीड़ को भी नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। वहीं, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक रोहिन गुप्ता का कहना है कि इंटर माडल स्टेशन का निर्माण कार्य नेशनल हाइवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड करेगी। डीपीआर तैयार करने का काम चल रहा है।

इसलिए पड़ी इंटर माडल स्टेशन की आवश्यकता

श्री माता वैष्णो देवी की यात्रा पर प्रतिदिन करीब तीस से पैंतीस हजार यात्री पहुंचते हैं। नवरात्र के दिनों के अलावा गर्मियों के अवकाश में यात्रा प्रतिदिन पचास हजार के करीब पहुंच जाती है। ऐसे में यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करना, उनकी सुरक्षा व उन्हे ढांचागत सुविधाएं मुहैया करवाना चुनौती रहती है। कटड़ा में वर्तमान में करीब 600 छोटे बड़े होटल है। जिस रफ्तार से यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में अगले दस साल में प्रतिदिन यात्रा करीब 70 से 75 हजार तक पहुंच सकती है। ऐसे में यात्रियों को एक स्थान पर ढांचागत व अन्य सुविधाएं मुहैया करवाना प्रस्तावित इंटर माडल स्टेशन तैयार करने का मुख्य उद्देश्य है।

एलजी ने पास किया डीडीए का 7643 करोड़ का बजट

बुनियादी ढांचे के लिए कई अहम फैसले

बजट पास करने के साथ ही, 8541 करोड़ रुपये की प्राप्तियों का अनुमान लगाया गया। इस दौरान नरेला, द्वारका और रोहिणी में बुनियादी ढांचे के प्रोत्साहन को मंजूरी देते हुए कई अहम फैसले लिए गए।

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की बुधवार को आयोजित बोर्ड बैठक में अध्यक्ष व उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 7643 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट 2023-24 को पास किया। साथ ही, 8541 करोड़ रुपये की प्राप्तियों का अनुमान लगाया। इस दौरान नरेला, द्वारका और रोहिणी में बुनियादी ढांचे के प्रोत्साहन को मंजूरी देते हुए कई अहम फैसले लिए गए।

बजट में तीसरी रिंग रोड नरेला-रोहिणी-द्वारका से गुजरने वाली यूईआर-2, यमुना के बाढ़ के मैदानों और हरित क्षेत्रों के कायाकल्प को खास तवज्जो दी गई। प्राधिकरण ने रोहिणी चरण 4 व 5, टिकरी कलां और नरेला में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार के लिए के लिए पूर्व-निर्धारित दरों पर भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) को भी मंजूरी दी।

डीडीए ने दिल्ली मेट्रो के फेज-4 के लिए 350 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इससे मेट्रो नेटवर्क के विस्तार में और तेजी आएगी। एम्स के पुनर्विकास के लिए 219 वर्ग मीटर भूमि को हस्तांतरित किया जाएगा। बैठक में डीडीए के उपाध्यक्ष सुभाषीश पांडा, विधायक विजेंद्र गुप्ता, विधायक सोमनाथ भारती, विधायक ओपी शर्मा और विधायक दिलीप पाण्डेय की मौजूदगी में फैसले लिए गए।

सात जैव वैविध्य पार्कों के लिए 33 करोड़ रुपये

सेंटर फॉर एनवायरनमेंट मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इको-सिस्टम (सीईएमडीई) और दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से करीब 3000 एकड़ के क्षेत्र में सात जैव वैविध्य पार्कों का एक नेटवर्क तैयार किया गया है। इनके विकास और रखरखाव के लिए बजट में 33 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

फ्लैटों के निर्माण में आएगी तेजी

बजट में नागरिक अवसंचना, तीसरे रिंग रोड के विकास, आवासीय परियोजनाएं के तहत नरेला में 9000 एचआईजी और एमआईजी फ्लैट, द्वारका गोल्फ कोर्स के सामने 1114 एचआईजी फ्लैट सहित लोकनायक पुरम में करीब 650 फ्लैटों के निर्माण में तेजी, खेल गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रावधान किए गए हैं। मेट्रो फेज-4, कड़कड़डूमा में ट्रांजिट ओरिएंटिड डेवलपमेंट (टीओडी) के तहत आवासीय परिसरों के निर्माण को भी तवज्जो दी गई है।

बुनियादी सुविधाएं बढ़ने से समय बचेगा

मेट्रो, आवासीय परिसरों, कार्यस्थलों और मनोरंजन स्थलों को एक ही कॉरिडोर में न्यूनतम दूरी में एक साथ लाने के लिए तेजी से कार्य चल रहा है। नरेला और आसपास के क्षेत्रों में प्रस्तावित मेट्रो से रिहायशी फ्लैटों की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। बुनियादी सुविधाएं बेहतर होने से दिल्ली वासियों को आवागमन में कम वक्त लगेगा और बुनियादी ढांचा को सुदृढ़ करने में यूईआर-2 की भी अहम भूमिका होगी। प्राधिकरण ने जंगपुरा में आरआरटीएस प्रतिष्ठानों के लिए भूमि उपयोग के परिवर्तन को भी मंजूरी दी है। बवाना में सीआरपीएफ के लिए ट्रांजिट कैंप को विस्थापित करने की भी मंजूरी दी गई।

डीडीए ने 928.92 करोड़ रुपये से यमुना के बाढ़ के मैदानों के पुनरुद्धार और कायाकल्प का काम शुररू किया है। यह काम 10 अलग-अलग उप परियोजना के रूप में चरणबद्ध रूप से किया जा रहा है। इसके लिए बजट में 405 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान किया गया है। यह योजना पूरी होने से यमुना में प्रदूषण कम होने में मदद मिलेगी।

सब सिटी से तेज होगी विकास की रफ्तार

नरेला, द्वारका और रोहिणी सब सिटी के विकास के लिए बुनियादी सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाने की कवायद तेज हो गई है। मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार सहित दिल्ली की तीसरे रिंग रोड की तरफ डीडीए के बढ़ते कदम से विकास की रफ्तार बढ़ेगी।

नरेला-रोहिणी-द्वारका से गुजरने वाली यूईआर-2 (तीसरा रिंग रोड) से सोनीपत से गुरुग्राम जाने के लिए वाहनों को दिल्ली में प्रवेश करने की जरूरत नहीं होगी। दूसरे शहरों से एयरपोर्ट तक पहुंचने में भी काफी कम वक्त लगेगा। बुनियादी ढांचे में तेजी से होने वाले बदलाव से फ्लैटों की मांग भी और बढ़ेगी। फिलहाल, इन क्षेत्रों में माकूल बुनियादी सुविधाएं नहीं होने की वजह से फ्लैटों की मांग कम है। मेट्रो फेज-4 के प्रस्तावित कॉरिडोर के निर्माण से भी सब सिटी का विस्तार और तेजी से होगा। हालांकि, तीन कॉरिडोर पर मंजूरी मिलने का इंतजार है। तीसरे रिंग रोड (यूईआर-2) के बनने से दिल्ली में वाहनों का बोझ काफी कम हो जाएगा।

इससे मुकरबा चौक से सिंघु बॉर्डर तक ट्रैफिक जाम की समस्या भी काफी कम होने की उम्मीद है। बजट में यूईआर-2 और रोहिणी, फेज-4 व 5, टीकरी कलां और नरेला के लिए सार्वजनिक परिवहन प्रणाली में सुधार के लिए भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) को भी मंजूरी दी गई है। बसों के लिए सुविधाएं बढ़ने से यात्रियों को आवागमन में दिक्कत नहीं होगी। तीसरे रिंग रोड के रूप में अर्बन एक्सटेंशन रोड-2 (यूईआर-II) का निर्माण एनएचएआई के माध्यम से आगे बढ़ रहा है।

इस परियोजना लागत में से डीडीए की तरफ से 3600 करोड़ रुपये की राशि (दिल्ली क्षेत्र के लिए) प्रदान की गई है। यह रोड रोहिणी और नरेला के लिए महत्वपूर्ण कनेक्टिविटी प्रदान करने के अलावा दिल्ली के लैंड पूलिंग क्षेत्रों के लिए भी सहायक होगी। बुनियादी सुविधाएं फिलहाल मजबूत नहीं होने से फ्लैटों की मांग कम है।

विभाग ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दिल्ली में वाहन मालिकों को आगे आने और अपने वाहनों को कबाड़ करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

दिल्ली परिवहन विभाग ने पुराने वाहनों को शुरू किया उठाना, कबाड़ में भेजे जाएंगे

परिवहन विभाग ने बुधवार को अपनी उम्र से अधिक पुराने वाहनों को उठाने और सीधे स्क्रैपिंग के लिए भेजने के लिए एक अभियान शुरू किया।

नई दिल्ली। प्रवर्तन विंग की कुल 10 टीमों ने 50 वाहनों को जब्त किया, जो 10 साल से अधिक पुराने (डीजल) और 15 साल पुराने (पेट्रोल) थे और सिविल लाइंस क्षेत्र में चल रहे थे या चलते हुए (सार्वजनिक स्थान पर खड़े) माने गए थे। विभाग ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दिल्ली में वाहन मालिकों को आगे आने और अपने वाहनों को कबाड़ करने के लिए प्रोत्साहित करना था।

विभाग ने एक प्रेस बयान में कहा, नई पहल के तहत, पुराने वाहनों को जब्त कर लिया जाएगा और अगर वे शहर की सड़कों पर चलते पाए जाते हैं या सार्वजनिक स्थानों पर पार्क किए जाते हैं, तो उन्हें सीधे स्क्रैपिंग यार्ड में भेज दिया जाएगा।

एक अधिकारी ने कहा, ₹10 वर्ष तक के डीजल वाहनों/15 वर्ष से कम पुराने पेट्रोल वाहनों के लिए एनओसी देश में किसी भी स्थान के लिए जारी किया जा सकता है। 10 वर्ष से अधिक के डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के लिए एनओसी कुछ शर्तों के अधीन अन्य राज्यों के लिए जारी की जाएगी।

अगर वे दिल्ली में अपना वाहन चलाना चाहते हैं तो वाहन मालिकों के पास अपने 10 साल पुराने डीजल/15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक में बदलने का विकल्प होगा।

2018 में, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल से अधिक पेट्रोल वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया था।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020) , एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड

50 के बाद भी रहना है हेल्दी, 4 विटामिन्स को करें डाइट में शामिल, कम दिखने लगेगी उम्र, हमेशा रहेंगी फिट

पचास की उम्र के बाद महिलाओं में कमजोरी आने लगती है. ऐसे में महिलाएं अपनी बढ़ती उम्र को कम दिखाने की पूरी कोशिश करती हैं. वहीं, तमाम नुस्खे आजमाने के बाद भी महिलाएं अपनी ऐज को छुपाने में नाकाम हो जाती हैं. अगर आप 50 की हो रही हैं तो कुछ जरूरी विटामिन्स को डाइट (Diet tips) में एड करके आप उम्र के असर को आसानी से हाइड कर सकती हैं.

50 प्लस वुमेंस में विटामिन की कमी होना काफी आम बात है. ऐसे में विटामिन रिच डाइट को अवॉयड करने से ना सिर्फ महिलाएं फिजिकली वीक महसूस करने लगती हैं, बल्कि आपकी उम्र भी ज्यादा दिखती है. मेडिकलन्यूज़टुडे के मुताबिक, हम आपको बताते हैं 5 एसेंशियल विटामिन सप्लीमेंट्स के नाम, जिनका सेवन करके आप 50 के बाद भी खुद को यंग रख सकती हैं.

विटामिन बी 12

विटामिन बी 12 को एनर्जी का बेस्ट सोर्स माना जाता है. मगर बढ़ती उम्र के साथ शरीर में विटामिन बी 12 की कमी देखने को मिलने लगती है. ऐसे में दूध, डेयरी प्रोडक्ट्स, एनिमल प्रोडक्ट्स, चिकन, फिश, अंडा, मीट और खमीर जैसी चीजों को डाइट में शामिल करके आप विटामिन बी 12 की कमी पूरी कर सकती हैं.

कैल्शियम

कैल्शियम रिच डाइट हड्डियों को मजबूत बनाने में मददगार होती है. साथ ही कैल्शियम से भरपूर चीजें खाने से महिलाओं में फ्रैक्चर होने की संभावना कम रहती है. ऐसे में कैल्शियम की कमी पूरी करने के लिए आप ड्राई फ्रूट्स, बीज, डेयरी प्रोडक्ट्स, मछली, बीन्स, दाल, हरी पत्तेदार सब्जियों, सोयाबीन और टोफू का सेवन कर सकती हैं.

विटामिन डी

50 से ज्यादा उम्र वाली महिलाओं के लिए विटामिन डी का सेवन भी जरूरी होता है. विटामिन डी शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ-साथ डिप्रेशन, एंग्जाइटी और थकान को दूर रखने में सहायक होता है. वहीं डेयरी प्रोडक्ट, अंडा और फिश को विटामिन डी का बेहतर स्रोत माना जाता है. इसके अलावा बॉडी में विटामिन डी की कमी पूरी करने के लिए आप कुछ देर धूप में भी बैठ सकती हैं.

विटामिन बी 6

50 के बाद शरीर में विटामिन बी 6 की कमी होने लगती है. ऐसे में फिट और हेल्दी रहने के लिए विटामिन बी 6 से भरपूर आहार लेना जरूरी हो जाता है. वहीं गाजर, पालक, केला, दूध, चिकन और कलोंजी को विटामिन बी 6 का बेस्ट सोर्स माना जाता है.

बेटियों के 'चैम्पियन' मुक्के

"सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और महिला पहलवानों ने भी अनेक फिकरे सुने, पोशाक तक पर सवाल किए गए, संस्कृति और परंपराओं के पतन की बातें सुननी पड़ीं, लेकिन ये तमाम खिलाड़ी 'विश्व चैम्पियन' स्तर के रहे हैं।

भारत की बेटियों ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित किया है। इतिहास रचे हैं। औरत से जुड़े प्राचीन, लैंगिक मिथक भी भंग किए हैं। मुक्केबाजी सरीखे प्रहारक और कठोर खेल को नये आसमान, नई प्रासंगिकता दी है। मैरी कोम की एक सशक्त और विजेता पीढ़ी तैयार की है। नीतू घंघास, निकहत जऱीन, स्वीटी बूरा और लवलीना बोरगोहन आज मुक्केबाजी की 'विश्व चैम्पियन' हैं। उन्होंने क्रमशः 48, 50, 70-75 और 81 किलोग्राम भार-वर्ग में विश्व महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के 'स्वर्ण पदक' हासिल किए हैं। ये पदक अनूठे, अद्भुत, अभूतपूर्व और ताकत के प्रतीक हैं। कभी कल्पना ही की जा सकती थी कि हमारी बेटियां विश्व स्तर पर मुक्केबाजी के खेल में ऐसी बुलंदियां भी छू पाएंगी, लेकिन आज यथार्थ सामने है। राजधानी दिल्ली के उसी स्टेडियम में ये चारों बेटियां 'विश्व चैम्पियन' बनीं, जहां करीब पांच साल पहले छह बार की विश्व चैम्पियन मैरी कोम ने खेल को 'भावुक अलविदा' कहा था। शायद तब सवाल और संशय रहा होगा कि मैरी कोम का 'शून्य' कौन भरेगा? महिला मुक्केबाजी सुरक्षित रह पाएगी अथवा नहीं? लेकिन एक नहीं, चार बेटियों के 'चैम्पियन मुक्कों' ने साबित कर दिया कि खेल आज भी सुरक्षित मु_ियों में बंद है। मैरी कोम की पीढ़ी भी 'विश्व चैम्पियन' है। जिस दौर में मैरी कोम ने मुक्कों का यह खेल शुरू किया था, सामाजिक प्रताडऩाएं और औरत-विरोधी सोच उन्हें भी झेलनी पड़ी थीं। सानिया मिर्जा, सायना नेहवाल, पीवी सिंधु, मीराबाई चानू और महिला पहलवानों ने भी अनेक फिकरे सुने, पोशाक तक पर सवाल किए गए, संस्कृति और परंपराओं के पतन की बातें सुननी पड़ीं, लेकिन ये तमाम खिलाड़ी 'विश्व चैम्पियन' स्तर के रहे हैं।

जब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 'राष्ट्रगान' की धुन बजती है और 'तिरंगा' सम्मानित होता है, तो लैंगिक रूढ़िवाद के कई मिथक टूटते हैं। आज खेल में लैंगिक विभेद के आधार पर विश्लेषण नहीं किए जा सकते। हैदराबाद क्षेत्र की मुस्लिम लडक़ी निकहत जऱीन 50 किलो के भार-वर्ग में लगातार दूसरी बार 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। मैरी कोम के बाद जऱीन ने ही यह उपलब्धि, बुलंदी हासिल की है। घर में तीन बहनें और भी हैं और अब्बू सिर्फ एक सेल्समैन हैं। सामाजिक के साथ-साथ आर्थिक बंदिशें भी रही हैं। उन विसंगतियों के बावजूद जऱीन दोबारा 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। अपने खिताब की राशि से वह अपने माता-पिता को 'उमराह' को भेजना चाहती हैं, लिहाजा जऱीन की मानसिक और भावनात्मक व्यापकता की प्रशंसा की जानी चाहिए। जऱीन ने कॉमनवेल्थ गेम्स में भी स्वर्ण पदक जीता था। नीतू घंघास तो मात्र 22 साल की हैं। उनका भार-वर्ग 48 किलो का है, जिसमें मैरी कोम 'विश्व चैम्पियन' बनी थीं। ओलंपिक पदक भी जीता था। लवलीना की पृष्ठभूमि भी कम दयनीय नहीं है, लेकिन उसने टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीत कर अपना माद्दा, हुनर साफ़ कर दिया था। वह पहली बार 70-75 किलो भार-वर्ग में 'विश्व चैम्पियन' बनी हैं। स्वीटी बूरी मैरी कोम की तरह विवाहित हैं, लेकिन उनके मुक्कों की बौछार, ताकत, निशाना बिलकुल नहीं भटके हैं। लवलीना और मैरी कोम में एक साझा तथ्य यह है कि दोनों पूर्वोत्तर से आती हैं और भारत का गौरव बढ़ा रही हैं।

पहली बार पहनने जा रही हैं साड़ी, 5 बेहतरीन तरीकों की लें मदद, आसानी से मिलेगा परफेक्ट लुक

किसी स्पेशल ओकेजन पर खूबसूरत दिखने के लिए ज्यादातर महिलाएं अक्सर साड़ी पहनना पसंद करती हैं. हालांकि कुछ महिलाओं को साड़ी पहनने का बिल्कुल एक्सपीरियंस नहीं होता है. ऐसे में अगर आप भी पहली बार साड़ी पहनने का मन बना रही हैं. तो साड़ी पहनते समय कुछ आसान टिप्स (Saree carrying tips) की मदद लेकर आप चुटकियों में परफेक्ट एंड गॉर्जियस लुक कैरी कर सकती हैं.

पहली बार साड़ी पहनते समय महिलाओं को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. ऐसे में महिलाओं के सामने साड़ी की प्लेट्स बनाने से लेकर पल्लू सही रखने जैसे तमाम चैलेंजेस आते हैं. तो आइए हम आपको बताते हैं साड़ी पहनने के कुछ सिंपल टिप्स, जिसे फॉलो करके आप साड़ी में सबसे बेस्ट दिख सकती हैं.

हल्की साड़ी चुनें

पहली बार साड़ी पहनते समय बेस्ट लुक पाने के लिए कुछ महिलाएं कांजीवरम या बनारसी साड़ियों का चयन कर लेती हैं. हालांकि ये साड़ियां काफी भारी होती हैं. जिन्हें पहनने के बाद आप असहज महसूस कर सकती हैं. इसलिए पहली बार साड़ी पहनने के लिए शिफॉन या कॉटन की साड़ियों का सेलेक्शन बेस्ट रहता है.

प्री-प्लेट ट्राई करें

अगर आपको साड़ी पहनने की आदत नहीं है. तो आप साड़ी को पहले से प्लीट कर सकती हैं. इससे आपको साड़ी पहनने में काफी आसानी होगी और साड़ी का लुक भी बिल्कुल परफेक्ट नजर आएगा.

पिन करना ना भूलें

पहली बार साड़ी पहनते समय महिलाएं अक्सर पिन लगाना अवॉयड कर देती हैं. जिससे आपको साड़ी संभालने में दिक्कत हो सकती है. इसलिए साड़ी पहनते समय इसे अच्छी तरह से पिन करना ना भूलें. इससे आपका लुक भी ऑर्गेनाइज्ड दिखेगा.

यूनीक ब्लाउज पहनें

पहली बार साड़ी पहनते समय सिंपल तरीका फॉलो करना बेस्ट रहता है. लेकिन अगर आप साड़ी में यूनीक लुक कैरी करना चाहती हैं. तो आप ब्लाउज के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं. ऐसे में स्पेगेटी ब्लाउज, शर्ट स्टाइल ब्लाउज या क्रॉप टॉप पहनना परफेक्ट ऑप्शन साबित हो सकता है.

पेटीकोट का सेलेक्शन

साड़ी के नीचे होने के कारण कई बार महिलाएं पेटीकोट के नजरअंदाज कर देती हैं. मगर पेटीकोट की फिटिंग साड़ी को आकर्षक लुक देने में मदद करती है. ऐसे में साड़ी का चुनाव करते समय फिटिंग और मैचिंग का पेटीकोट पहनना बेस्ट रहता है.

पर्सनैलिटी के हिसाब से खरीदें हैंड बैग, सेलेक्शन के लिए फॉलो करें ईजी टिप्स

शॉपिंग करते समय महिलाएं ड्रेस और फुटवियर के साथ मैचिंग हैंड बैग खरीदना नहीं भूलती है. वहीं बेस्ट हैंड बैग का चुनाव महिलाओं के लुक को ऑसम बनाने के साथ-साथ उनकी स्टाइलिंग को भी एन्हॉन्स करता है. हालांकि हैंड बैग (Hand bag) खरीदते समय महिलाएं कुछ कॉमन मिस्टेक्स कर देती हैं. ऐसे में कुछ जरूरी बातों को ध्यान में रखकर आप अपने लिए आसानी से परफेक्ट हैंड बैग का चुनाव कर सकती हैं. दरअसल हैंड बैग का काम सिर्फ बेस्ट लुक पाने तक सीमित नहीं होता है. बल्कि इसमें महिलाओं की जरूरत का हर सामान भी मौजूद रहता है. ऐसे में गलत हैंड बैग का चुनाव आपके लिए घाटे का सौदा साबित हो सकता है. तो आइए जानते हैं हैंड बैग खरीदने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके आप अपने लिए बेस्ट हैंड बैग सेलेक्ट कर सकती हैं.

जरूरत निर्धारित करें: हैंड बैग खरीदने से पहले अपनी जरूरत को ध्यान में रखना न भूलें. जहां किसी स्पेशल ओकेजन के लिए आप स्टाइलिश बैग का सेलेक्शन कर सकती हैं. वहीं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए क्लासिक शोल्डर बैग लेना अच्छा ऑप्शन होता है. इसमें आपको सामान रखने के लिए काफी स्पेस भी मिल जाता है.

जरूरत निर्धारित करें: हैंड बैग खरीदने से पहले अपनी जरूरत को ध्यान में रखना न भूलें. जहां किसी स्पेशल ओकेजन के लिए आप स्टाइलिश बैग का सेलेक्शन कर सकती हैं. वहीं रोजमर्रा की जरूरतों के लिए क्लासिक शोल्डर बैग लेना अच्छा ऑप्शन होता है. इसमें आपको सामान रखने के लिए काफी स्पेस भी मिल जाता है.

साइज चेक करें: हैंड बैग लेने के दौरान बैग के साइज के साथ-साथ अपनी पर्सनैलिटी पर भी ध्यान दें. कम हाइट के साथ लम्बा बैग कैरी करने से आपकी लम्बाई भी कम लगने लगती है. ऐसे में छोटी महिलाओं के लिए स्मॉल या मीडियम साइज बैग्स और ज्यादा हाइट वाली महिलाओं के लिए बिग साइज बैग लेना बेहतर रहता है.

साइज चेक करें: हैंड बैग लेने के दौरान बैग के साइज के साथ-साथ अपनी पर्सनैलिटी पर भी ध्यान दें. कम हाइट के साथ लम्बा बैग कैरी करने से आपकी लम्बाई भी कम लगने लगती है. ऐसे में छोटी महिलाओं के लिए स्मॉल या मीडियम साइज बैग्स और ज्यादा हाइट वाली महिलाओं के लिए बिग साइज बैग लेना बेहतर रहता है.

हैंड बैग का शेप देखें: हैंड बैग के कलर और साइज के साथ-साथ शेप पर फोकस करना भी जरूरी होता है. ऐसे में कम हाइट वाली महिलाओं पर रेक्टेंगुलर या चौकोर बैग ज्यादा अच्छा लगता है. वहीं लम्बी और स्लिम फिगर वुमेन्स पर गोल बैग काफी सूट करता है. (Image-Canva)

हैंड बैग का शेप देखें: हैंड बैग के कलर और साइज के साथ-साथ शेप पर फोकस करना भी जरूरी होता है. ऐसे में कम हाइट वाली महिलाओं

दिल्ली-NCR में फिर बदला मौसम का मिजाज, गरज के साथ हुई झमाझम बारिश

राजधानी दिल्ली में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। गुरुवार दोपहर के बाद ही मौसम बदल गया है। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। गुरुवार दोपहर के बाद ही मौसम बदल गया है। दिल्ली-NCR के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबादी हुई है। मौसम विभाग ने 3 दिन तक बारिश की संभावना जताई है।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। गुरुवार दोपहर के बाद ही मौसम बदल गया है। दिल्ली-NCR के कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबादी हुई है। मौसम विभाग ने 3 दिन तक बारिश की संभावना जताई है। दिल्ली से सटे इलाकों में भी बादल छा गए हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में तेज हवाएं भी चली। बुधवार को भी दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में मौसम ने करवट लिया था, जिसके चलते तेज बारिश हुई थी। बाहरी दिल्ली रिंग रोड के आस-पास तेज बारिश देखने को मिली है। वहीं, नूंह, गाजियाबाद और गुरुग्राम में भी बारिश हुई है। रेवाड़ी की नई अनाज मंडी में खुले में ही अनाज की बोरियां रखी हुई थी, जो तेज बारिश के चलते भीग गई है।

मौसम विभाग का आनुमान

दिल्ली सहित उत्तर पश्चिम भारत के कई हिस्सों में नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से शाम से ही बादल छा जाने का अनुमान था। पूरे भारत की बात करे तो बुधवार को कई हिस्सों में तेज हवा के साथ हल्की बरसात हुई थी। दिल्ली में गुरुवार को शाम साढ़े पांच से रात साढ़े आठ बजे के बीच सफदरजंग में 8.8 मिमी, जबकि पालम में 0.4 मिमी दर्ज की गई। इसी दौरान सफदरजंग में हवा की रफ्तार 57 किमी प्रति, जबकि पालम में 39 किमी प्रति घंटा रही। साथ ही गर्जन वाले बादल भी बने और बिजली भी चमकी। बुधवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 33.6 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 16.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 31 से 88 प्रतिशत रहा था। मौसम विभाग का पूर्वानुमान के मुताबिक बृहस्पतिवार को दिन भर बादल छाए रहने की बात कही गई थी। साथ ही मौमस विभाग ने कहा था कि गर्जन वाले बादल बनने और कहीं-कहीं हल्की बरसात भी हो सकती है। इसके अलावा मौसम विभाग ने कहा था कि अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रहेगा।

शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट जारी

शुक्रवार के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। मौसम विभाग ने कहा कि शुक्रवार को अच्छी बरसात हो सकती है, जिससे अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है।

राहुल की सदस्यता रद्द होने पर NSUI आग बबूला, दिल्ली में विरोध प्रदर्शन; प्लेकार्ड पर लिखा- लोकतंत्र की अर्थी

नई दिल्ली। राहुल गांधी की लोकसभा से सदस्यता रद्द होने पर NSUI ने गुरुवार को सेंट्रल दिल्ली में विरोध प्रदर्शन किया है। एनएसयूआई के सदस्यों ने जमकर नारेबाजी भी की। कार्यकर्ताओं ने प्लेकार्ड पर "लोकतंत्र की अर्थी" लिखकर राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने का विरोध किया। इस विरोध प्रदर्शन को लेकर दिल्ली एनएसयूआई के अध्यक्ष कुणाल सहरावत ने कहा, 'आज हमने राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने पर 'शव यात्रा' का आयोजन किया है। भाजपा शासित केंद्र उन लोगों को खत्म करने की कोशिश कर रहा है, जो उनके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।'

गुजरात की अदालत ने ठहराया था दोषी

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को पिछले सप्ताह गुजरात की एक अदालत ने आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराया था, इसके बाद ही राहुल गांधी की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इस फैसले के खिलाफ देशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में रोष है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूरे देश में कई जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया है। राहुल गांधी की सदस्यता रद्द होने पर विपक्ष की कई पार्टियों ने विरोध जताया है।

सदस्यता रद्द होने पर राहुल गांधी ने क्या कहा था?

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अयोग्य घोषित होने के बाद पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कान्फ्रेंस को भी संबोधित किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि कहा, "मैं पहले भी कई बार कह चुका हूं कि देश में लोकतंत्र पर हमला हो रहा है। इसके उदाहरण हम आए दिन देख रहे हैं। मैंने संसद में पीएम मोदी और अदाणी के रिश्तों को लेकर सवाल पूछा, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया गया।"

साथ ही राहुल गांधी ने कहा, "मैंने कई बार बोला है कि हिन्दुस्तान में लोकतंत्र पर आक्रमण हो रहा है। इसके हमें रोज नए-नए उदाहरण मिल रहे हैं। मैंने संसद में सबूत दिए, अदाणी और PM मोदी के रिश्ते के बारे में बोला। अदाणी को नियमों में बदलाव करके एयरपोर्ट दिए गए, इस पर मैंने संसद में बात की। मैंने अदाणी पर केवल एक सवाल पूछा था। मैं सवाल पूछना जारी रखूंगा और भारत में लोकतंत्र के लिए लड़ूंगा।"

इनसाइड

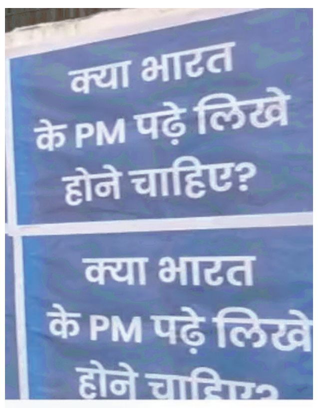

दिल्ली में आप ने लगाए पोस्टर, पूछा- 'क्या भारत के पीएम पढ़े लिखे होने चाहिए'

नई दिल्ली। बीते कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के पोस्टर भी लगे थे जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने 100 से ज्यादा एफआईआर की थी और छह लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी ने राजधानी की सड़कों पर एक नया पोस्टर लगाया है। इसमें वह सीधे देश के प्रधानमंत्री पर निशाना साधते दिख रहे हैं। इस बार आम आदमी पार्टी ने जो पोस्टर लगाया है उसमें देश के प्रधानमंत्री के बारे में सवाल पूछा है। इन पोस्टरों पर लिखा है, 'क्या भारत के पीएम पढ़े लिखे होने चाहिए'। आज सुबह ही लगे इन पोस्टरों पर जब दिल्ली पुलिस की नजर पड़ी तो उन्होंने कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह करीब 10 बजे आम आदमी पार्टी के दफ्तर पास दिल्ली पुलिस के लोग पोस्टर्स की फोटो लेते देखे गए। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग पोस्टरों को फाड़ने दिखाई दिए। बीते कुछ दिनों पहले ही दिल्ली में 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के पोस्टर भी लगे थे जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने 100 से ज्यादा एफआईआर की थी और छह लोगों को गिरफ्तार भी किया गया था।

गुंडागर्दी करने वाले की पिटाई करते हुए पुलिस ने निकाला जुलूस, 30 से अधिक साल से वसूल रहा था रंगदारी

लोगों को डरा धमकाकर उनसे रंगदारी वसूलने वाले बदमाश लक्ष्मण इंदौरिया को मध्य जिला पुलिस आखिर लंबे समय बाद सबक सिखा ही दिया। 30 वर्षो से भी अधिक समय से वह इन इलाकों पर अपना दबदबा बनाए हुए था।

नई दिल्ली। पहाड़गंज, नबी करीब व सदर बाजार इलाकों में लोगों को डरा धमकाकर उनसे रंगदारी वसूलने वाले बदमाश लक्ष्मण इंदौरिया को मध्य जिला पुलिस आखिर लंबे समय बाद सबक सिखा ही दिया। 30 वर्षो से भी अधिक समय से वह इन इलाकों पर अपना दबदबा बनाए हुए था। उसने दिखावे के लिए यूट्यूब चैनल भी खोल रखा था।

पुलिसकर्मियों को भी करता था ब्लैकमेल

उसकी आड़ में वह उसकी बात न मानने वाले पुलिस अधिकारियों व कर्मियों का वीडियो बना इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर बदनाम करने की धमकी देता था और उन्हें ब्लैकमेल करता था, जिससे मध्य व उत्तरी जिला पुलिस उसके खिलाफ कार्रवाई करने से बचती थी। मध्य जिला डीसीपी संजय कुमार सेन को उसके गतिविधियों की शिकायत मिलने पर उन्होंने नबी करीम थाना पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

पिटाई करते हुए पुलिस ने निकाला जुलूस

पुलिस ने बुधवार रात लक्ष्मण को नबी करीम से दबोचने के बाद उसकी पिटाई करते हुए आसपास के इलाकों में जुलूस भी निकाली। मध्य जिला पुलिस के मुताबिक लक्ष्मण इंदौरिया, नबी करीम का ही रहने वाला है। उसके खिलाफ पहले के आठ आपराधिक मामले दर्ज हैं। बावजूद इसके अबतक स्थानीय थाना पुलिस ने उसे घोषित अपराधी नहीं बनाया है। इधर हाल ही में उसने एक व्यक्ति से रंगदारी मांगी थी जिसकी शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

दिल्ली में AAP बनाम LG: अब बिजली सब्सिडी पर बयानबाजी तेज, किसानों-वकीलों को फ्री बिजली पर आतिशी बोलीं...

दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने उपराज्यपाल और भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग से आज मेरे पास एक फाइल आई है जिसमें किसानों और वकीलों को फ्री बिजली बंद करने का प्रस्ताव है।

नई दिल्ली। दिल्ली में आबकारी नीति के बाद अब बिजली बिल पर सब्सिडी को लेकर सियासी घमासान जारी है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना पर बिजली सब्सिडी खत्म करने की साजिश करने का आरोप लगा है। इसे लेकर आम आदमी पार्टी और भाजपा के नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

ताजा मामले में दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी (Atishi) ने आज गुरुवार को एक प्रेस वार्ता कर उपराज्यपाल और भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग से आज मेरे पास एक फाइल आई है, जिसमें किसानों और वकीलों को फ्री बिजली बंद करने का प्रस्ताव है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और बिजली मंत्री ने जब ऐसा प्रस्ताव नहीं दिया तो फिर किसने यह आदेश दिया।

आतिशी ने कहा कि बिजली अधिकारियों ने मुझे बताया कि उपराज्यपाल और भाजपा नेताओं के दबाव के कारण यह प्रस्ताव तैयार किया गया है। उपराज्यपाल और भाजपा के नेता आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल से नफरत करते हैं। लेकिन उन्हें दिल्लीवालों से नफरत नहीं करनी चाहिए। इस मामले पर किसान और वकील मुझे आज सुबह से फोन कर रहे हैं। कल उन्हें मिलने का समय दिया है। उन्हें आश्वस्त करती हूं कि उन्हें मुफ्त बिजली मिलती रहेगी।

31 मार्च तक मिलती रहेगी छूट

दिल्ली की बिजली मंत्री ने आगे कहा कि केजरीवाल के रहते फ्री बिजली बंद नहीं होगी। उपराज्यपाल और भाजपा कितनी भी कोशिश कर ले, लेकिन केजरीवाल सरकार दिल्ली के लोगों के हित के लिए लड़ाई लड़ती रहेगी। बिजली सब्सिडी के लिए आवेदन करने वालों को अगली 31 मार्च तक छूट मिलती रहेगी। उन्हें नया आवेदन करने की जरूरत नहीं है।

कुख्यात मुंतजीर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दबोचा, बचने के लिए लगातार बदल रहा था ठिकाने

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल दिल्ली ही नहीं बल्कि एनसीआर के सभी गैंगस्टरों पर लगातार नकेल कसने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में सेल की टीम ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर सलमान त्यागी-सद्दाम हुसैन गिरोह के शूटर मुंतजीर त्यागी उर्फ मुंटी को खुर्जा से गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल दिल्ली ही नहीं, बल्कि एनसीआर के सभी गैंगस्टरों पर लगातार नकेल कसने में जुटी हुई है। इसी कड़ी में सेल की टीम ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गैंगस्टर सलमान त्यागी-सद्दाम हुसैन गिरोह के शूटर मुंतजीर त्यागी उर्फ मुंटी को खुर्जा से गिरफ्तार कर लिया है।

2019 में लगा था मकोका

दिल्ली पुलिस ने कुख्यात सलमान त्यागी-सद्दाम हुसैन गिरोह के सभी सदस्यों पर 2019 में मकोका लगा दिया था। उसी के बाद से वह फरार था। दिल्ली में अपहरण और रंगदारी मांगने के दो मामलों में वह वांछित था। उसे रिमांड पर लेकर सेल की टीम गिरोह के अन्य फरार बदमाशों के बारे में पता लगा रही है, ताकि उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके। डीसीपी स्पेशल सेल आलोक कुमार के मुताबिक, एसीपी अतर सिंह व इंस्पेक्टर शिव कुमार के नेतृत्व में एसआइ राजेश कुमार की टीम ने फरार गैंगस्टर मुंतजीर त्यागी को 29 मार्च की रात खुर्जा, बुलंदशहर से गिरफ्तार किया। वह तिहाड़ गांव का रहने वाला है। वह सद्दाम हुसैन गिरोह का सक्रिय सदस्य है। इस गिरोह के सदस्य 10 वर्षों से अधिक समय से कुख्यात गैंगस्टर नीरज बवाना गिरोह से भी जुड़े हुए हैं।

मुंतजीर हरि नगर थाने में दर्ज मकोका के मामले में वांछित था। उसे अदालत ने भगोड़ा घोषित कर दिया था। सेल का कहना है कि मुंतजीर गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार यूपी में ठिकाने बदल रहा था। यह अपने गिरोह के अन्य साथियों के साथ दिल्ली में हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट, अपहरण, रंगदारी, लूट, चोट पहुंचाने, आपराधिक धमकी, आर्म्स एक्ट आदि के कई मामलों में शामिल रहा है। इस सिंडिकेट की लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए गिरोह के सभी सदस्यों के खिलाफ 2019 में हरी नगर थाना पुलिस ने मकोका के तहत मामला दर्ज कर लिया था। 2018 में मुंतजीर ने अपने साथियों के साथ अपने भाई सलमान त्यागी के खिलाफ एक मामले में गवाह रहे एक व्यक्ति का अपहरण कर लिया था और उसे धमकी दी थी कि वह अदालत के सामने गवाही नहीं देगा। उसने अपने साथियों के साथ 2021 में हरि नगर क्षेत्र में ही एक व्यक्ति से रंगदारी मांगने की धमकी भी दी थी। वह इन दोनों मामलों में संबंधित अदालत में पेश नहीं हो रहा था। इसके खिलाफ 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पार्टी ने लगातार कई ट्वीट करके अलग-अलग राज्यों में पोस्टर चिपकाने के अपने अभियान की जानकारी दी।

आप का पोस्टर अभियान: 11 भाषाओं में देशभर में लग रहे 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के पोस्टर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी आज देशभर में अपना पोस्टर अभियान चला रही है जिसके तहत वो 11 भाषाओं में 'मोदी हटाओ, देश बचाओ' के पोस्टर लगा रही है। इसका एलान पार्टी ने बीते मंगलवार को किया था।

आज आम आदमी पार्टी ने देशभर से अपने कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए विभिन्न भाषाओं के पोस्टर शेयर किए। आम आदमी पार्टी ने लगातार कई ट्वीट करके अलग-अलग राज्यों में पोस्टर चिपकाने के अपने अभियान की जानकारी दी।

इसके साथ ही गोपाल राय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी देते हुए कहा कि, इस अभियान का दूसरा चरण 10 अप्रैल को चलाया जाएगा। 10 अप्रैल को देशभर के विश्वविद्यालयों में मोदी हटाओ देश बचाओ के पोस्टर लगाए जाएंगे। गोपाल राय ने आगे कहा, ये देश किसी की जिद पूरी करने के लिए नहीं है। देश की समस्याओं को खत्म करने की जगह प्रधानमंत्री मोदी विपक्ष और संविधान को खत्म करने में लगे हैं। हम एक Simple सवाल पूछ रहें हैं- क्या देश का प्रधानमंत्री पढ़ा-लिखा होना चाहिए? क्या भाजपा और दिल्ली पुलिस मानती है कि पीएम पढ़ा-लिखा नहीं होना चाहिए?

गोपाल राय आगे बोले, लोकतंत्र का मूल आधार संविधान है। संसद, विधान सभा और चुनाव प्रणाली सत्ता पक्ष और विपक्ष के खिलाफ एजेंसी के दुरुपयोग से विपक्ष विहीन सत्ता संचालित करना ये दिखाता है कि भाजपा का मिशन है, भारत एक तानाशाह की मुट्ठी में हो इसलिए देश अब निराश हो रहा है।

इन 11 भाषाओं में जारी हुए पोस्टर

आम आदमी पार्टी ने प्रधानमंत्री के खिलाफ 11 भाषाओं में पोस्टर जारी किए हैं। पोस्टर हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, पंजाबी, मलयालम, उड़िया, कन्नड़, बांग्ला, गुजराती, उर्दू और तेलुगु भाषाओं में तैयार कराए गए हैं। आम आदमी पार्टी 30 मार्च को पूरे देश में ये पोस्टर लगा रही है।

आप के प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने मंगलवार को बताया था कि देश में भाजपा की अघोषित तानाशाही लागू हो चुकी है। वह लोकतंत्र खत्म करने में लगी हुई है। भाजपा चुनाव आयोग व सीबीआई-ईडी को अपने इशारे पर चलने पर मजबूर कर रही है।

उनका काम केवल विपक्ष के नेताओं के ऊपर फर्जी मुकदमे चलाकर जेल के अंदर बंद करने तक सीमित रह गया है। इसके अलावा न्यायपालिका को भी कंट्रोल करने की कोशिश कर रही है, वहीं वह राज्य सरकारों को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दे रही है, लेकिन अब देश और विपक्ष के नेता किसी भी तरह के षड्यंत्र व फर्जी एफआईआर से डरने वाले नहीं है।

बीच सड़क पर FOB का पिलर, कभी भी हो सकती है दुर्घटना; हटाने के लिए 2 अप्रैल से शुरू होगा काम

डीएमआरसी के सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के बाहर एफओबी का एक पिलर सड़क के बीच में आ रहा है।

परिवहन विशेष संवाददाता

दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (DMRC) सेक्टर–52 मेट्रो स्टेशन के बाहर एफओबी का एक पिलर सड़क के बीच में आ रहा है। इससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। अब इस पिलर को हटाने का काम दो अप्रैल से शुरू होने जा रहा है।

नोएडा। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन (डीएमआरसी) सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के बाहर एफओबी का एक पिलर सड़क के बीच में आ रहा है। इससे यातायात बाधित होता है और दुर्घटना का खतरा बना रहता है। अब इस पिलर को हटाने का काम दो अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन पहले एफओबी को सपोर्ट देगा, उसके बाद पिलर हटाने का काम करेगा।

हालांकि, इस कार्य पर खर्च होने वाली राशि को नोएडा प्राधिकरण की ओर से वहन किया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण वर्क सर्किल छह वरिष्ठ प्रबंधक प्रवीन सलोनिया ने बताया कि पिलर को सड़क से हटाने के लिए डीएमआरसी ने 41 लाख रुपये खर्च होने की बात का प्रस्ताव दिया था। शुक्रवार तक राशि डीएमआरसी को जारी कर दी जाएगी। इसके बाद वह अपना काम शुरू कर देंगे।

इन सेक्टरों का निकलता है ट्रैफिक

इस रोड पर सेक्टर-51, सेवन एक्स सोसायटी जिसमे सेक्टर-74, 75, 76, 77, 78, 79 ग्रेटर नोएडा वेस्ट, सेक्टर-59, 62 , 63 के अलावा गोल्फ कोर्स, सिटी सेंटर कालिंदी कुंज और दिल्ली जाने वाला ट्रैफिक यहां से निकलता है। पिलर की वजह से प्रतिदिन हां वाहन चालकों को जाम का सामना करना पड़ता है।

इनसाइड

पिटाई के पीड़ित से कोतवाली में जबरन समझौता लिखवाने का आरोप

पीड़ित का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। मूलरूप से बिहार के रहने वाला मुकेश नामक युवक बुधवार रात सेक्टर–62 से अपने घर वापस लौट रहा था।

नोएडा। सेक्टर-58 कोतवाली क्षेत्र में एक युवक से मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि बदमाशों ने युवक से मारपीट कर उसका सिर फोड़कर शर्ट फाड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों के दो लोगों को कोतवाली ले गई। जहां जबरन समझौता लिखवा लिया गया। घर पहुंचने के बाद युवक ने वीडियो बनाकर घटना की जानकारी दी। पीड़ित का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लोगों ने कार्रवाई की मांग की है। मूलरूप से बिहार के रहने वाला मुकेश नामक युवक बुधवार रात सेक्टर-62 से अपने घर वापस लौट रहा था। सेक्टर-62 में शंकर फास्ट फूड के मालिक समेत 10-15 लड़कों ने मुकेश को घेर लिया और उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि उसके पास मौजूद 25 हजार रुपये की नकदी भी निकाल ली। जब पीड़ित शिकायत लेकर सेक्टर-62 स्थित एनआइबी पहुंचा तो चौकी इंचार्ज ने घायल युवक का मेडिकल कराने के बजाय धमकाकर भेज दिया। आरोप है कि चौकी इंचार्ज ने डरा धमकाकर और जेल भेजने की धमकी देकर फैसला लिखवा लिया।

हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर कार पर गिरा, चिंगारी से लगी आग; बड़ी घटना टली

मोदी शुगर मिल के पास मुरादनगर कपड़ा व्यापारी गुरुवार को कार में पेट्रोल भरवा रहे थे। इसी दौरान खोई से भरा हुआ ट्रक तारों के संपर्क में आ गया और तार टूटकर कार के ऊपर गिर गया। उस वक्त तार में करंट दौड़ रहा था।

मोदीनगर। मोदी शुगर मिल के पास मुरादनगर कपड़ा व्यापारी गुरुवार को कार में पेट्रोल भरवा रहे थे। इसी दौरान खोई से भरा हुआ ट्रक तारों के संपर्क में आ गया और तार टूटकर कार के ऊपर गिर गया। उस वक्त तार में करंट दौड़ रहा था।

चिंगारी से कार में आग लग गई। गनीमत रही कि चिंगारी पेट्रोल के पास नहीं गिरी। पंप कर्मियों ने आग पर समय रहते काबू पा लिया। तार मेरठ रोड पर भी गिरा था। इसी के चलते मौके पर पहुंची पुलिस ने मेरठ रोड पर वाहनों की आवाजाही बंद करा दी। करीब आधा घंटा ट्रैफिक को वनवे करा दिया। घटना की जानकारी मिलने पर बिजली विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए और सप्लाई को बंद कराया गया। विद्युत के अधिशासी अभियंता अमित सक्सेना ने बताया कि आपूर्ति को सुचारु कराने के लिए विभाग की एक टीम लगा दी गयी है। घटना में कोई हताहत नहीं है। मामले में कोई शिकायत पुलिस को नहीं दी गई है।

पिलर हटाने के चलते बदला रहेगा ट्रैफिक, पूरे दिन लागू रहेगा डायवर्जन

नोएडा सेक्टर–52 मेट्रो स्टेशन के पास पिलर हटाने के चलते ट्रैफिक बदला रहेगा। सेक्टर–71 अंडरपास से होशियारपुर की ओर आने वाले मार्ग पर एक लेन का यातायात आवागमन रविवार को बंद रहेगा। वाहन चालकों को डायवर्जन का पालन करने की सलाह दी गई है।

नोएडा। सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास सेक्टर-71 से होशियारपुर की ओर जाने वाले स्लिप रोड पर बीच में स्थापित फुटओवर ब्रिज (एफओबी) के पिलर के कारण यातायात संचालन में परेशानी होती है। रात के समय हादसे की संभावना होती है। वहीं पिलर के कारण भारी वाहनों को भी निकलते में समय लगता है।

नए पिलर का होना है निर्माण

यातायात के सुचारू संचालन व परेशानी को देखते हुए एफओबी के पिलर को हटाकर नए पिलर का निर्माण किया जाना है। इस कारण निर्माण कार्य के चलते पिलर व अंडरपास के मध्य कैरिज-वे और बालकनाथ की ओर से सेक्टर-71 अंडरपास से होशियारपुर की ओर आने वाले मार्ग पर एक लेन का यातायात आवागमन रविवार को बंद रहेगा।

डायवर्जन की दी गई सलाह

वाहन चालकों को यातायात असुविधा से बचने डायवर्जन का पालन करने की सलाह दी गई है। डीसीपी ट्रैफिक ने अनिल कुमार यादव ने बताया कि यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर लोग हेल्प लाइन नंबर 9971009001 पर संपर्क कर सकते हैं। असुविधा से बचने के लिए लोग वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

ऐसा रहेगा डावर्जन

लिंक रोड पर डीएससी रोड, सेक्टर-78, 50 की ओर से आने वाला यातायात मानव रचना स्कूल तिराहा से सेक्टर-51 होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

लिंक रोड पर डीएससी रोड, सेक्टर-78, 50 की ओर से आने वाला यातायात सेक्टर-71, 61, 60 होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

किसान चौक, पर्थला की ओर से आकर अंडरपास होकर सिटी सेंटर की ओर जाने वाला यातायात बालकनाथ मन्दिर से यूटर्न लेकर सेक्टर-67 चौक, सेक्टर-60 होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

किसान चौक, पर्थला की ओर से आकर अंडरपास होकर सिटी सेंटर की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-71 से सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन की ओर जाकर यूटर्न लेकर मानव रचना स्कूल तिराहा से सेक्टर 51 होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-62, 60 की ओर से आकर अंडरपास होकर सिटी सेंटर की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-71 से सेक्टर-51 मेट्रो स्टेशन की ओर जाकर यूटर्न लेकर मानव रचना स्कूल तिराहा से सेक्टर-51 होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

नोएडा में जल्द ले सकेंगे IPL के रोचक मुकाबलों का मजा, बनने जा रहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने सेक्टर–150 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के प्रमुख विकासकर्ता दलोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम (Noida International Cricket Stadium) के निर्माण को अपनी मंजूरी दे दी है। यहां आने वाले दिनों अंतरराष्ट्रीय स्तर के मैच का मजा उठाया जा सकेगा।

नोएडा। नोएडा में आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आइपीएल जैसे टूर्नामेंट के रोचक मुकाबले देखे जा सकेंगे। यहां जल्द ही अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने सेक्टर 150 में स्पोर्ट्स सिटी परियोजना के प्रमुख विकासकर्ता द्वारा प्रस्तावित क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण को अपनी मंजूरी दे दी है।

यह क्रिकेट स्टेडियम सेक्टर-50 में नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस के नजदीक बनाया जाएगा। हालांकि परियोजना का वास्तविक निर्माण तभी शुरू होगा जब नोएडा प्राधिकरण स्पोर्ट्स सिटी परियोजना की संशोधित लेआउट योजना को मंजूरी देगा।

डीएमआरसी के सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के बाहर एफओबी का एक पिलर सड़क के बीच में आ रहा है।

सूत्रों ने बताया कि प्राधिकरण ने इस मामले में राज्य सरकार से निर्देश मांगा है। वहां से मिले निर्देशों के क्रम में ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट के तहत यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का क्रिकेट स्टेडियम सहित अन्य खेल सुविधाएं बनाई जानी थी। जिसके लिए डेवलपर लोटस ग्रीन कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड ने यूपीसीए से मंजूरी मांगी थी। 17 मार्च को यह मंजूरी मिल गई।

स्टेडियम में 35,000 दर्शकों के बैठके की क्षमता

इस मामले को 17 मार्च को शीर्ष परिषद की बैठक के दौरान उठाया गया था। एसोसिएशन ने इस स्टेडियम को अंतरराष्ट्रीय बनाने के लिए डेवलपर को 41 विशिष्टताओं की एक सूची भी भेजी है।

जिसमें कहा कि स्टेडियम को 35,000 दर्शकों की क्षमता के हिसाब से डिजाइन किया जाना चाहिए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान अभ्यास के लिए अभ्यास पिचें भी बनाई जाए। इसके तहत खेल का एरिया 137.6 मीटर होना चाहिए। जबकि पिच के दोनों सिरों की सीधी दूरी 64 मीटर होनी चाहिए।

यूपीसीए के एक अधिकारी ने बताया कि डेवलपर ने अपनी लागत पर अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम बनाने और सभी आवश्यकताओं को पूरा करने का प्रस्ताव दिया है। यह एक अच्छी पहल है क्योंकि इस तरह की और सुविधाएं प्रदेश में आने का प्रयास कर रही हैं। यूपीसीए ने विकासकर्ता को आवश्यकता पत्र भेजा है। जब स्टेडियम तैयार हो जाएगा उसके बाद बीसीसीआई और आइसीसी स्टेडियम का निरीक्षण करेंगे।

कब तैयार होगा यह स्टेडियम

नोएडा में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अगले तीन सालों में बन जाने की उम्मीद है। कानपुर, लखनऊ और वाराणसी के बाद नोएडा उत्तर प्रदेश का तीसरा शहर होगा जहां अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम बनेगा। इसके लिए जमीन अधिग्रहित कर ली गई है। अगर जमीन मिली तो गाजियाबाद में भी ऐसा एक ऐसा स्टेडियम बन सकेगा।

अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट का हिस्सालोटस ग्रीन्स कंस्ट्रक्शन के प्रवक्ता ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए बेहद ही गर्व की बात है कि राज्य के पास जल्द ही एक विश्व स्तरीय स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर होगा।

स्पोर्ट्स को ध्यान में रखकर बनाए जा रहे इस टाउनशिप में हमने टाटा, गोदरेज, बिरला, हीरो ग्रुप, प्रेसटिज जैसे नामी इंडस्ट्री प्लेयर्स को शामिल किया है। हम जल्द ही एजेंसी को भी चुनाव कर लेंगे। यह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम इंटिग्रेटेड स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इसमें एक ही छत के नीचे कई खेलों से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रजापति समाज की पदयात्रा: जंतर-मंतर जा रही बैल गाड़ी और ट्रैक्टर ट्रॉली को UP गेट पर पुलिस ने रोका

प्रजापति समाज के सैकड़ों लोग विभिन्न मांगों को लेकर मेरठ से पैदल चलकर दिल्ली के जंतर मंतर जा रहे थे। यूपी गेट पर दिल्ली पुलिस ने बैल गाड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली से जाने से रोक दिया। इससे समाज के लोगों का गुस्सा भड़क गया।

गाजियाबाद। प्रभात पाण्डेय राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के तत्वाधान में समाज के सैकड़ों लोग विभिन्न मांगों को लेकर मेरठ से पैदल चलकर दिल्ली के जंतर मंतर जा रहे थे। यूपी गेट पर दिल्ली पुलिस ने बैल गाड़ी, ट्रैक्टर ट्रॉली से जाने से रोक दिया। इससे समाज के लोगों का गुस्सा भड़क गया। प्रजापति समाज के लोगों ने यूपी गेट पर नारेबाजी कर जाम लगा दिया।

सूचना पर डीसीपी ट्रांस हिंडन एसीपी इंदिरापुरम एडीसीपी ट्रैफिक पीएसी और कई थानों के बल के साथ मौके पर पहुंचे। समाज के लोगों को समझाने का प्रयास किया। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों से वार्ता की गई। इसके बाद ट्रैक्टर ट्रॉली और भैंसा बुग्गी को रोककर गाड़ियों से वह दिल्ली पुलिस की बसों से लोगों को जंतर मंतर भेजा गया। उसके बाद यातायात सामान्य हुआ।

राष्ट्रीय प्रजापति महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष दारा सिंह प्रजापति ने बताया कि कुमार और प्रजापति समाज को अनुसूचित जाति में शामिल कराना व समाज की लड़कियों को शोषण में हत्या के मामले में न्याय दिलाना इसके अलावा समाज के लोगों की जनगणना कराने के मुद्दे पर प्रजापति समाज के लोगों ने पदयात्रा जंतर-मंतर तक शुरू किए।

चाइल्ड PGI में एक ही मशीन से कई बच्चों को ड्रिप लगाने पर हंगामा, सूचना पर पहुंची पुलिस

मामले की सूचना सेक्टर–20 कोतवाली पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने मौके पर मौजूद स्टाफ से पूछताछ जहमत नहीं उठाई। वहीं अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक बच्चे की मां ज्योति ने ड्यूटी पर तैनात स्टाफ से अभद्रता के साथ सुरक्षागार्ड को थप्पड़ मारा।

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआइ में बुधवार रात को एक ही मशीन से कई बच्चों को ड्रिप लगाने को लेकर एक बच्चे के स्वजन का पैरामेडिकल स्टाफ के साथ विवाद हो गया। आरोप है कि अस्पताल में तैनात एक स्टाफ ने स्वजन से अभद्रता की है। जिसके बाद स्वजन ने हंगामा किया। वहीं डाक्टरों ने उल्टा स्वजन द्वारा सुरक्षागार्ड और स्टाफ से अभद्रता का आरोप लगाया है। राहुल चौधरी ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहते हैं। 11 माह बच्ची पीकू को निमोनिया की शिकायत पर गाजियाबाद के डाक्टर की सलाह पर बुधवार रात करीब आठ बजे चाइल्ड पीजीआइ चाइल्ड लेकर पहुंचे। यहां बच्ची को भर्ती कर ड्रिप चढ़ाई गई। डाक्टरों ने एक्सरे आदि जांच के बाद करीब साढ़े पांच रुपये की दवा बाहर से मंगवाई। लेकिन जब रात करीब 12 बजे एक ही मशीन से कई बच्चों को ड्रिप लगाने का प्रयास किया तो स्वजन ने विरोध किया। स्वजन का आरोप है कि बच्ची को इंफेक्शन फैलने के डर से विरोध किया था।

पिटाई के लिए राड लेकर दौड़ा स्टाफ

आरोप है कि स्टाफ ने अभद्रता कर मारपीट के बाद सुरक्षागार्ड के माध्यम से बाहर निकलवाने का प्रयास किया। स्टाफ पिटाई के लिए राड लेकर दौड़ा। मामले की सूचना सेक्टर-20 कोतवाली पुलिस को दी, लेकिन पुलिस ने मौके पर मौजूद स्टाफ से पूछताछ जहमत नहीं उठाई। वहीं अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक बच्चे की मां ज्योति ने ड्यूटी पर तैनात स्टाफ से अभद्रता के साथ सुरक्षागार्ड को थप्पड़ मारा।

इनसाइड

इस कार को खरीदने में न करें देरी, 8 दिन चूके तो देना पड़ जाएगा 12 हजार एक्स्ट्रा

कंपनी ने ये साफ कर दिया है कि अभी केवल Honda Amaze के दामों में वृद्धि हो रही है। कंपनी Amaze को 1 अप्रैल से 12 हजार रुपये मंहगा कर देगी।

नई दिल्ली। देश में 1 अप्रैल से नए उत्सर्जन मानदंडों को लागू किया जा रहा है। ऐसे में सभी वाहन निर्माता कंपनियों को अपने इंजन में बदलाव करना पड़ रहा है। जापानी वाहन निर्माता कंपनी Honda ने घोषणा की है कि वह Amaze को 1 अप्रैल से 12 हजार रुपये मंहगा कर देगी। क्या है पूरी खबर, आपको बताते हैं।

Honda Amaze के सभी वेरियंट हो जाएंगे मंहगे

1 अप्रैल से Honda Amaze के सारे वेरियंट्स की कीमतों में बढ़ोतरी की जाएगी। कंपनी ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। हालांकि कंपनी ने अभी तक ये साफ नहीं किया है कि Honda Amaze के अलग-अलग ट्रिम्स के आधार उनकी क्या कीमत रखी जाएगी। इतना साफ है कि कंपनी अपनी शुरुआती लेवल की कॉम्पैक्ट सेडान Honda Amaze को 1 अप्रैल से 12 हजार रुपए तक मंहगा कर देगी।

Honda City भी होगी मंहगी ?

कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग एंड सेल्स) कुणाल बहल ने ये साफ कर दिया है कि कंपनी अभी केवल Honda Amaze के दामों में वृध्दि कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी उनकी मध्यम आकार की सेडान Honda City की कीमतों में कोई बदलाव नहीं करेगी।

समाचार एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट (मार्केटिंग एंड सेल्स) कुणाल बहल ने बताया कि हम 1अप्रैल से Amaze के दामों में 12 हजार रुपये तक बढ़ाएंगे। उनका कहना है कि ये फैसला कड़े उत्सर्जन नियमों के कारण उत्पादन लागत में बढ़ोतरी को ध्यान में रखकर किया गया है।

सभी कंपनी बढ़ा रही हैं दाम

आपको बतादें कि ये काम केवल Honda ने ही नहीं किया है। नए BS6 फेज-2 नियम और कड़े उत्सर्जन मानदंडों के लागू हो जाने के बाद सभी कंपनियां अपने वाहनों की कीमत को बढ़ा रही हैं। हाल ही में हीरो मोटोकॉर्प ने घोषणा की है कि वह अगले महीने से अपने मॉडल रेंज की कीमतों में लगभग 2 प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इसी तरह, टाटा मोटर्स ने घोषणा की है कि वह 1 अप्रैल 2023 से अपने कॉमर्शियल वाहनों की कीमतों में 5 प्रतिशत तक की वृद्धि करेगी।

ह्युंडई की क्रेटा या वेन्यू खरीदना चाहते हैं तो करना पड़ेगा 8 महीनों का इंतजार! जानिए क्या है वजह

Hyundai Creta डीजल के लिए 32 हफ्ते वहीं पेट्रोल वेरियंट के लिए 24 सप्ताह का वेटिंग पीरियड हो गया है। hyundai Venue का वेटिंग पीरियड Creta के डीजल वेरियंट के बराबर ही है। Grand i20 nios भी 20 सप्ताह के इंतजार के बाद ही मिल पाएगी।

नई दिल्ली। अगर आप हाल में Hyundai की creta या Venue खरीदने का प्लान कर रहे हैं तो आपको इनके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि कंपनी की इन कारों पर 8 महीनों तक का वेटिंग पीरियड हो गया है। क्या है इसकी वजह आइए जानते हैं।

Creta और Venue की खूब है मांग

कंपनी के मुताबिक बीते कुछ दिनों से इन दोनों मॉडलों की डिमांड बढ़ गई है। यही कारण है कि इनकी डिलीवरी की समय सीमा इतनी बढ़ती जा रही है। अगर आप नई क्रेटा या वेन्यू को घर लाने की सोच रहे हैं तो इनके लिए लंबा इंतजार करना होगा। हालांकि ये वेटिंग पीरियड गाड़ियों के विभिन्न वेरियंट के हिसाब से अलग-अलग है।

कितना है इन कारों का Waiting Period

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक Hyundai Creta डीजल के लिए वेटिंग पीरियड करीब आठ महीने या 32 हफ्ते का है। वहीं इसके पेट्रोल वेरियंट के लिए आपको 24 सप्ताह या लगभग छह महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।hyundai Venue का वेटिंग पीरियड Creta के डीजल वेरियंट के बराबर ही है।

कंपनी की अन्य कारों की बात करें तो Grand i20 nios भी 20 सप्ताह के इंतजार के बाद ही मिल पाएगी। वहीं कंपनी की इकलौती 3-Row वाली एसयूवी Hyundai Alcazar भी लंबे वेटिंग पीरियड पर है। इसके पेट्रोल वेरियंट का वेटिंग पीरियड 16 सप्ताह तक का है।

क्या है अन्य विकल्प

बाजार में Hyundai Creta या Hyundai Venue के अलावा अन्य विकल्प भी मौजूद हैं। आप Hyundai Creta की जगह Maruti Brezza, Kia Seltos और Skoda Kushaq जैसी SUV को भी कंसिडर कर सकते हैं। क्रेटा के मुकाबले इनका वेटिंग पीरियड कम है।

वहीं Hyndai Venue के समान गाड़ियों की बात करें तो इसमें KIA Sonet, Mahindra Bolero Neo और Tata Nexon जैसे विकल्प शामिल हैं।

भारतीय कार बाजार में Grand i20 nios को Tata Tiago, Maruti Suzuki Swift और Honda Amaze जैसी कारें कम्पीट करती हैं।

ये हैं 1.5 लाख रुपये से सस्ती बाइक्स, फीचर में भी दमदार

नई दिल्ली। अगर आप एक बाइक खरीदने का प्लान कर रहे हैं और चाहते हैं कि इसका बजट 1.5 लाख रुपये से कम हो तो ये लेख आपके काम का है। हम आपको ऐसी 5 बाइक्स के बारे में बताने जा रहे हैं जो भारतीय बाजार में 1.5 लाख रुपये से कम एक्स शोरूम कीमत पर उपलब्ध हैं। हमारी इस सूची में TVS Raider से लेकर RE Hunter 350 तक शामिल हैं। आइए, इनके नाम, दाम और विशेषताओं के बारे में जान लेते हैं।

TVS Raider

भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी TVS की ये बाइक पिछले वर्ष बाजार में पेश की गई थी। कंपनी ने इसे युवाओं को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया है। टीवीएस इसे भारतीय बाजार में 99,990 रुपये एक्स-शोरूम कीमत पर बेचती है। ये कीमत हाल ही में लॉन्च की गई TFT स्क्रीन और 'SmartXonnect' टेक्नोलॉजी वाली TVS Raider की है। 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ आने वाला इसका 124.8cc सिंगल-सिलेंडर इंजन 7,500 rpm पर 11.2 bhp की शक्ति और 6,000 rpm पर 11.2 Nm का पीक टॉर्क जेनरेट करता है। TVS Raider कई एडवांस फीचर्स से भी लैस है।

Bajaj Pulsar NS 200

भारतीय दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी Bajaj इसे 147,347 रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर बेचती है। इसमें दिया गया 199.5 सीसी का लिक्विड-कूल्ड इंजन 24.13 बीएचपी शक्ति प्रदान करता है। कंपनी इसे सभी वेरियंट में डुअल चैनल ABS (एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम) को स्टैंडर्ड रूप से देती है। अगर आप 200 सीसी इंजन में एक अच्छे लुक वाली बाइक की तलाश कर रहे हैं तो Bajaj Pulsar NS 200 आपके लिए एक बेहतर विकल्प साबित हो सकती है।

TVS Ronin

बीते वर्ष कंपनी ने अपनी इस बाइको को भारतीय बाजार में लॉन्च किया था। TVS Ronin को स्टाइलिश लुक और दमदार इंजन के साथ पेश किया गया है। बाइक में 225.9cc एयर/ऑयल-कूल्ड इंजन दिया गया है जोकि 7,750 rpm पर 20.2 bhp की शक्ति और 3750 rpm पर 19.93 Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। आप इसे 1.49 लाख रुपये की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

Royal Enfield Hunter 350

Royal Enfield Hunter 350 भारतीय बाजार में 350 सीसी सेग्मेंट वाली सबसे सस्ती बाइक है। आप कम दामों में ज्यादा शक्तिशाली इंजन वाली बाइक खरदीना चाहते हैं तो Hunter 350 को कंसिडर कर सकते हैं। इसमें 349 सीसी का इंजन दिया गया है जो 20.2PS की शक्ति और 27Nm का पीक टॉर्क प्रदान करता है। भारत में इसकी एक्स शोरूम कीमत 1.49 लाख रुपये से शुरु हो जाती है।

2023 Mercedes-Benz GLA, GLB को कंपनी ने किया अपडेट, माइल्ड-हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ

2023 Mercedes-Benz GLA GLB को वाहन निर्माता कंपनी ने काफी अपडेट कर दिया है। इसमें माइल्ड-हाइब्रिड पावरट्रेन मिलता है। दोनों एसयूवी का स्टाइल काफी दमदार है। दोनों एसयूवी में कम्फर्ट सीटें भी मिलती है।

नई दिल्ली। जर्मन की वाहन निर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने वैश्विक स्तर पर जीएलए और जीएलबी एसयूवी के नए रुप का खुलासा किया है। दोनों एसयूवी का स्टाइल काफी दमदार है। इसके साथ ही इसमें फीचर भी काफी दमदार है। इसके साथ ही ये उम्मीद जताई जा रही है कंपनी इस कार को भारतीय बाजार में इस साल के अंत तक लॉन्च कर सकती है।

एक्सटीरियर

एसयूवी के एक्सटीरियर की बात करें तो इसमें अपडेट किया गया जीएलए और जीएलबी में नए डिजाइन के ग्रिल, बंपर और हेडलैंप सिग्नेचर हैं। दोनों एसयूवी में एक नया रूप का एलईडी हेडलैंप भी मिलता है। जिसके पहिया का कलर इसके एक्सटीरियर के समान दिखता है। एक एएमजी लाइन भी है जिसमें एक आक्रामक बम्पर डिजाइन, फ्लैट बॉटम स्पोर्टी स्टीयरिंग व्हील, चारों ओर एएमजी लोगों और बड़े अलॉय व्हील मिलते हैं।

इंटीरियर

इस कार के इंटीरियर की बात करें तो डैशबोर्ड का लेआउट पहले जैसा ही है। इसमें इंफोटेनमेंट और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए ट्विन-10.25 इंच की स्क्रीन मिलती है और अब इंफोटेनमेंट को वायरलेस कनेक्टिविटी और अपडेट यूआई मिलता है। दोनों एसयूवी में 'कम्फर्ट' सीटें,हाई-बीम असिस्ट और मानक के रूप में एक रिवर्सिंग कैमरा मिलता है। इसके अतिरिक्त, AMG लाइन वेरिएंट में हीटेड स्टीयरिंग व्हील मिलता है।

इंजन

दोनों एसयूवी में अब प्लग-इन और माइल्ड-हाइब्रिड पावरट्रेन दोनों मिलता है। माइल्ड-हाइब्रिड इंजन एक बेल्ट-स्टार्टर-जनरेटर के लिए 48V बैटरी के साथ जोड़ा जाता है। प्लग- इन हाइब्रिड वेरिएंट अब 60 किमी से अधिक की यात्रा करने में सक्षम है और बैटरी का उत्पादन 5hp से 79hp तक बढ़ा दिया गया है, और मर्सिडीज का दावा है कि बैटरी अब 22kW की गति तक चार्ज करने में सक्षम है।

एएमजी की बात करें तो दोनों एसयूवी में 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड फोर-सिलेंडर इंजन मिलता है जो 305 बीएचपी की पावर जनरेट करता है।मर्सिडीज का दावा है कि एसयूवी केवल 5.2 सेकेंड में 0-100 की रफ्तार पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 250 किमी प्रति घंटा है।

भारत में, GLA और GLB को 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल और 2.0-लीटर टर्बोचार्ज्ड डीजल इंजन के साथ पेश किया जाता है। पेट्रोल इंजन 7-स्पीड डीसीटी के साथ आता है और डीजल 8-स्पीड डीसीटी के साथ आता है। आपको बता दें, भारतीय बाजार में GLA की कीमत 46.48 लाख रुपये से शुरू होती है और GLB की कीमत 63.80 लाख रुपये (दोनों कीमत एक्स-शोरूम) से शुरू होती हैं।

सफलता के चार नियम

पीके खुराना

सफलता के इस फार्मूले का पहला पी है पैशन फार एक्सीलेंस, यानी उत्कृष्टता की भावना, सफलता का दूसरा पी है प्रॉब्लम वर्सेज एडवेंचर, यानी समस्या बनाम साहस भरा काम, तीसरा पी है पेशेंस एंड कम्पैशन यानी धैर्य और दयालुता या संवेदनशीलता और चैथा पी है प्रिंसिपल आफ प्रोडक्टिविटी, यानी उत्पादकता का सिद्धांत।

असफलता तो सफलता की सीढ़ी है, बशर्ते कि हम अपनी असफलता से सबक लें, गलती न दोहराएं और काम को नए सिरे से दोबारा शुरू कर दें। सफलता के तीसरे नियम धैर्य और संवेदनशीलता का मतलब है कि टीम के बाकी लोग हमें पसंद करें, हमारे साथ मिलकर काम करना चाहें। इसके लिए आवश्यक है कि हम लोगों की बात ध्यान से सुनें, उनके सुझावों का आदर करें, जहां आवश्यक हो, टीम को श्रेय दें। इसी तरह हम उनके काम आएं, उनकी समस्याएं समझने की कोशिश करें, उन्हें सुलझाने में उनका साथ दें। ये छोटे-छोटे गुण हमें लोकप्रिय बना देते हैं और लोग हमारे साथ काम करना और जुड़े रहना पसंद करते हैं..

मुझे एक कहानी याद आती है जो हम बचपन में सुना करते थे। तीन मित्र समुद्र के किनारे बने एक होटल के पुल के किनारे बैठे मौसम का आनंद ले रहे थे। थोड़ी ही दूर समुद्र का किनारा भी नजर आ रहा था। कुछ लोग पुल में तैरने का आनंद ले रहे थे, तो कुछ लोग समुद्र में डुबकियां लगा रहे थे। यह नजारा देखकर तीनों के मन में एक ही बात आ रही थी कि उन्हें भी तैरने का आनंद लेना चाहिए। समस्या यह थी कि तीनों ही मित्रों को तैरना नहीं आता था। पहले मित्र ने सोचा, होता क्या है तैरने में, थोड़े से हाथ-पांव ही तो मारने हैं, तैरना आ जाएगा और उन्होंने आव देखा न ताव, झट से पुल के उस हिस्से में छलांग लगा दी जिधर पानी गहरा था। थोड़ी ही देर में जब वे डूबने-उतराने लगे तो वे सहायता के लिए पुकारने लगे। पुल में पहले तैर रहे लोगों ने उनको पकड़ा और किनारे पर ले आए। अब ये साहब अपनी बेवकूफी पर पछताने लगे और उन्होंने कसम खा ली कि जीवन में अब कभी दोबारा वे तैरने का दुस्साहस नहीं करेंगे। दूसरे मित्र ने उनका यह हाल देखकर पहले ही सोच लिया कि तैरना उनके बस का नहीं है और उन्होंने जीवन में कभी दोबारा पानी में उतरने की बात सोची भी नहीं। लेकिन तीसरे मित्र ने थोड़ी समझदारी दिखाई। उन्होंने स्विमिंग पुल के उस हिस्से में कोशिश शुरू की जहां पानी उथला था। धीरे-धीरे उनका आत्मविश्वास बढ़ा तो वे पुल के उस हिस्से में गए जहां पानी गहरा था, पर तब भी वे किनारे-किनारे तैरते रहे जहां सहारे के लिए पाइप लगे हुए थे।

आत्मविश्वास कुछ और बढ़ा तो वे गहरे पानी में तैरने लगे और फिर तैरने के तरह-तरह के स्टाइल सीख कर तैरने में पारंगत हो गए। सफलता और असफलता में इतना ही फर्क है। पहले मित्र ने काम के लिए आवश्यक कौशल के बिना ही जल्दबाजी में काम आरंभ कर दिया, असफल हुए और फिर सोच लिया कि यह काम जीवन में कभी दोबारा नहीं करना, जबकि दूसरे मित्र ने कुछ भी प्रयास किए बिना ही हार मान ली। काम के लिए आवश्यक काबिलीयत के बिना जल्दबाजी में काम करना तथा प्रयास किए बिना ही हार मान लेना, दोनों ही असफलता का कारण बनते हैं, जबकि धैर्यपूर्वक काम सीखकर काम करना सफलता की गारंटी है। मैं अपनी वर्कशाप में जब लोगों को सफलता के गुर सिखाता हूं, तो उन्हें एक फार्मूला देता हूं जिसे हम पी-4 फार्मूला कहते हैं। सफलता के इस फार्मूले का पहला पी है पैशन फार एक्सीलेंस, यानी उत्कृष्टता की भावना, सफलता का दूसरा पी है प्रॉब्लम वर्सेज एडवेंचर, यानी समस्या बनाम साहस भरा काम, तीसरा पी है पेशेंस एंड कम्पैशन यानी धैर्य और दयालुता या संवेदनशीलता और चैथा पी है प्रिंसिपल आफ प्रोडक्टिविटी, यानी उत्पादकता का सिद्धांत। अब हम अगर सफलता के पहले नियम यानी उत्कृष्टता की भावना की बात करें तो इसका मतलब है कि चाहे हम नौकरी करते हों या व्यवसाय करते हों, अपना कोई भी काम हमें सिर्फ इस भावना से नहीं करना चाहिए कि उससे हमारी प्रोमोशन हो जाएगी या हम ज्यादा पैसे कमाने लगेंगे। अब सवाल उठता है कि सफलता का मतलब ही जब यही है कि हम अमीर हो जाएं और हमारे पास ज्यादा पैसे हों तो फिर काम ज्यादा पैसे कमाने की नीयत से क्यों न किया जाए? सही सवाल है, पैसा ही नहीं आया तो सफलता बेमानी है। यही एक ट्रैप है, एक जाल है जिसमें हम अकसर उलझ जाते हैं और फिर वहीं अटके रह जाते हैं, जबकि यदि काम इस भावना से किया जाए कि हमारा काम सर्वोत्कृष्ट हो तो जो हम चाहते हैं वह अपने आप होता चलता है। जब हम खुद को ज्यादा काबिल बनाने के रास्ते पर चलते हैं तो हम बेहतर काम कर पाते हैं। परिणाम यह होता है कि देर सवेर हमारे उच्चाधिकारी या हमारे ग्राहक हमारे काम को नोटिस करते हैं और हमारी साख बन जाती है, लेकिन यदि हम पहले पैसा कमाने या प्रोमोशन पाने की कोशिश में जुट जाएं और हममें अपेक्षित योग्यता न हो तो हमें निराशा ही हाथ लगेगी।

सफलता का दूसरा नियम समस्या बनाम साहसिक कार्य का अर्थ बड़ा साधारण है लेकिन गहरा है। शुरू होने से पहले हर नया काम कठिन है, उसमें जोखिम है, असफलता का डर है, लेकिन वही काम जब संपन्न हो जाए तो या तो आसान है या फिर साहस भरा काम। एवरेस्ट विजय से पहले सर एडमंड हिलैरी और थापा तेनज़िंग के लिए एवरेस्ट भी एक चुनौती था, उसके लिए उन्हें अपने आप को तैयार करना आवश्यक था ताकि रास्ते के तूफानों का मुकाबला कर सकें, अपने शरीर को शून्य से नीचे का तापमान सहने के लिए तैयार कर सकें, सामान पीठ पर लाद कर सीधी ऊंची चढ़ाई चढ़ सकें और दिन भर की यात्रा के बाद भी इतनी शक्ति बचाकर रखें कि पहाड़ की टेढ़ी-मेढ़ी ऊंचाइयों पर अपना तंबू गाड़ सकें और फिर अगले दिन फिर से अपनी यात्रा शुरू कर सकें। काम में असफल होना एक बात है और हार मान लेना एकदम अलग बात है। वैज्ञानिक आविष्कार में पहली ही बार सफल नहीं हो जाते, जीवन के ज्यादातर काम भी लगातार प्रयास करने और प्रयास करते रहने पर ही संभव हो पाते हैं। असफलता तो सफलता की सीढ़ी है, बशर्ते कि हम अपनी असफलता से सबक लें, गलती न दोहराएं और काम को नए सिरे से दोबारा शुरू कर दें। सफलता के तीसरे नियम धैर्य और संवेदनशीलता का मतलब है कि टीम के बाकी लोग हमें पसंद करें, हमारे साथ मिलकर काम करना चाहें।

इसके लिए आवश्यक है कि हम लोगों की बात ध्यान से सुनें, उनके सुझावों का आदर करें, जहां आवश्यक हो, टीम को श्रेय दें। इसी तरह हम उनके काम आएं, उनकी समस्याएं समझने की कोशिश करें, उन्हें सुलझाने में उनका साथ दें। ये छोटे-छोटे गुण हमें लोकप्रिय बना देते हैं और लोग हमारे साथ काम करना और जुड़े रहना पसंद करते हैं। सफलता का चौथा महत्त्वपूर्ण सिद्धांत है उत्पादकता का नियम। इसके लिए दो मूलभूत आवश्यकताएं हैं। पहली तो यह कि हममें काम सही ढंग से पूरा करने के लिए आवश्यक योग्यता हो, यह योग्यता तकनीकी भी हो सकती है, इसे सीखना आपका काम है, लेकिन उत्पादकता से जुड़ा दूसरा पहलू है अनुशासन।

दिन भर का काम शुरू करने से पहले सभी पेंडिंग कामों की सूची बनाकर उनमें से आवश्यक और महत्त्वपूर्ण काम छांट लेना, बिना समय बर्बाद किए उन्हें बारी-बारी से करते चलना, समाप्त हो चुके काम को सूची से काटते चलना, समय के सदुपयोग की कुंजी है। नियम यह है कि इस बीच आप सोशल मीडिया पर समय न बिताएं, हर तीन घंटे बाद 5 मिनट का ब्रेक लें और फिर काम शुरू कर दें। इन चार नियमों के पालन से सैकड़ों लोगों ने सफलता पाई है, हम सब भी इनका लाभ लेकर आसानी से सफलता की सीढियां चढ़ सकते हैं। सफलता के लिए जरूरी है आपके अंदर आत्मविश्वास का होना।

संपादक की कलम से

राहुल के जरिए विपक्षी एकता

राहुल गांधी की सांसदी रद्द किए जाने के तुरंत बाद ही विपक्षी एकता के शुरुआती संकेत मिलने लगे हैं। हालांकि यह अंतिम स्थिति नहीं है और औपचारिक गठबंधन फिलहाल बहुत दूर है, लेकिन जो बदलाव सामने दिखे हैं, वे भी महत्त्वपूर्ण हैं। करीब एक साल के अंतराल के बाद तृणमूल कांग्रेस ने अपने दो सांसदों को नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े की बैठक में भेजा। हालांकि तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी ने अपने संसदीय दल के नेताओं को बैठक से दूर ही रखा है, लेकिन घुटनों ने पेट की ओर मुडऩा शुरू कर दिया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री एवं 'भारत राष्ट्र समिति' (बीआरएस) के अध्यक्ष चंद्रशेखर राव की, कांग्रेस के प्रति, तल्खी और विमुखता कुछ कम हुई है। उन्हें एहसास हो गया है कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दिल्ली सरकार के 'शराब घोटाले' में उनकी बेटी कविता को फंसा सकता है, लिहाजा वह जांच एजेंसियों के पूर्वाग्रह और दुरुपयोग से अकेले नहीं लड़ पाएंगे। लोकसभा सचिवालय ने राहुल गांधी की सांसदी खत्म करने का आदेश जारी किया, तो 'आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की प्रतिक्रिया सबसे आक्रामक थी। हालांकि माना जाता है कि कांग्रेस राजनीति में जो 'शून्य' पैदा कर रही है, 'आप' वहीं विकल्प देने की कोशिश कर रही है। कुछ महत्त्वपूर्ण सफलताएं भी मिली हैं। राहुल के मुद्दे पर केजरीवाल का मूड कुछ बदला है, लिहाजा 'आप' के नेता भी विपक्षी खेमे में दिखने लगे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी राहुल गांधी के पक्ष में बयान देते हुए लगभग वही जुबां बोली है, जो कांग्रेस और उसके सनातन विपक्षी साथी दल बोलते रहे हैं। सोमवार को नेता विपक्ष खडग़े के नेतृत्व में, काले कपड़े पहन कर, विपक्ष ने 'ब्लैक प्रोटेस्ट' किया और विजय चौक तक मार्च किया। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष एवं सांसद सोनिया गांधी भी काली साड़ी पहन कर सडक़ पर उतरीं। खडग़े द्वारा आयोजित रात्रि-भोज में 17 विपक्षी दलों के नेताओं ने शिरकत की। साझा एहसास होने लगा है कि यदि 2024 के आम चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा को तगड़ी टक्कर देनी है, तो विपक्ष को अपने बौने मतभेद भुलाने होंगे और भविष्य की व्यापक राजनीति पर सोचना, चिंतित होना पड़ेगा। विपक्षी एकता का पहला संकेत कर्नाटक से मिल रहा है कि कांग्रेस और जद-एस के बीच अनौपचारिक गठबंधन लगभग तय है। औपचारिक मुहर बाद में लगेगी, लेकिन वे साझा तौर पर चुनाव में उतरेंगे और उम्मीदवार भी साझा होंगे। उनका आकलन है कि भाजपा को पराजित भी किया जा सकता है।

बहरहाल राहुल गांधी के संदर्भ में एक महत्त्वपूर्ण फैसला लोकसभा की आवास समिति ने लिया है कि पूर्व सांसद को सरकारी बंगला 22 अप्रैल तक खाली करना होगा। राहुल गांधी 2005 से 12, तुग़लक लेन वाले बंगले में रहते हैं। चूंकि उन्हें 'ज़ेड प्लस' सुरक्षा प्राप्त है, लिहाजा नया आवास सुरक्षा की दृष्टि से भी देखना होगा और सुरक्षा बल की सलाह भी महत्त्वपूर्ण होगी। दूसरे संकेत चुनाव आयोग से आ रहे हैं कि वह राहुल गांधी की खाली लोकसभा सीट-वॉयनाड-में उपचुनाव की शीघ्र ही घोषणा कर सकती है। राजनीति कांग्रेस और भाजपा दोनों के ही स्तर पर 'राष्ट्रीय' होने जा रही है, क्योंकि दोनों के आंदोलन देश भर में किए जाने हैं। आश्चर्य यह है कि राहुल गांधी ने निचली अदालत के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती क्यों नहीं दी? प्रियंका गांधी के कुछ बयान प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आए हैं और प्रियंका ने चुनौती दी है कि उनके खिलाफ केस दर्ज कराया जाए। विपक्ष के 14 दलों ने ईडी और सीबीआई के खिलाफ एक याचिका सर्वोच्च अदालत में दी है। कांग्रेस नए सवाल उठा रही है कि अब ईपीएफओ का पैसा भी अडानी समूह की कंपनियों में क्यों निवेश किया जा रहा है?

व्यंग्य

फिर बैतलवा डाल पर

लगा था इस बार शायद ऐसा नहीं होगा। पौन सदी कम नहीं होती। आदमी की ज़िंदगी हो तो इसमें लगभग खप ही जाती है। देश की हो तो भी उसे उसका रोशन काल नहीं कह सकते। अव्वल तो इनसे मिलने का मौका ही नहीं मिलता। प्रायः वह अपने हवाई मीनार में रहते हैं और इस सडक़ पर इनके मीनार को देखते हुए कि नहीं इस बार सपनों का शहज़ादा अवश्य अपने घोड़े से उतर आएगा। हमारे गदौ गुब्बार में हमारे अंग-संग चलेगा। हमारे दर्द को अपने गले से लगाएगा। हम इक_चल कर इन टूटी-फूटी सडक़ों या रास्ता भूली पगडंडियों की जगह एक नए जनपथ का निर्माण कर सकें। इस पर सबको बराबर-बराबर चलने का हक होगा। इस पौन सदी में हमने हर जनपथ को शार्टकट बना सफलता लेने की पगडंडी में बदलते देखा है। इस पगडंडी का रास्ता कूड़े के उपलों पर नकारने में नहीं, बल्कि उसकी जगह उन पर एक मन भावन कलई कर के स्वच्छ भारत सिद्ध कर देने की मुस्कराती घोषणा के साथ होता है। इस चुंधयाई हुई आंखों के साथ देखते हैं कि कल जो डम्प था, हम एक किसी चोर गली के रास्ते सिंहासन में तबदील हो गया।

उस पर वे जम गए हैं, आवारा सपनों के उस मसीहा की तरह, जिसने पगडंडी बदलते हुए उनके सपने तो किसी भूल भलैया में खो दिए और अपने दावों की विजयश्री के साथ अपनी शोभा को हमारी शोभा यात्र बनाने पर तुला हुआ है। हम उन स्मार्ट शहरों में अपनी बना दी गई इस शोभायात्र को तलाशते हैं, जो बिन बादल बरसात से उमड़ आए गले-गले पानी में डूबती, उतराती उस जीवन नौका की तलाश करती है जो हमें आदमी, इनसानियत और पवित्र डुबोती इस जल प्रलय में से निकाल कर किसी सूखी धरती पर खड़ा कर दे। 75 बरस बीत गए, वह सूखी धरती हमें कहीं मिली नहीं। मिले तो बस उसकी प्राप्ति के गुटके। इन नाटकीय भाषणों में मिले वे अपनी चिल्लाहटों को गिनीज़ बुक ऑफ रिकार्ड में तबदील कर देना चाहते थे। यह चिल्लाहट कहती थी कि आपसे जो पौन सदी से नहीं हो सका, वह चंद बरस में कर दिखाया। आप बैंकों की ओर देखने की हिम्मत नहीं कर सकते थे, हमने करोड़ों की संख्या में आपके ज़ीरो बैलेंस खाते खोल दिए। वायदा किया आपका भुगतान सीधा अब आपके खाते में जाएगा। बीच के मध्यजनों की धांधली और दलाली खत्म हो जाएगी। लेकिन साहिब, नीचे के ये लोग बड़े शक्तिमान हैं। भई, सदियों का अंधेरा है, एक दिन में तो नहीं छंट जाएगा।

जो राजा है वह राजा ही रहते हैं और जो रंक हैं, उन्हें अब किसी नई घोषणा से बहलाना है। इसका फैसला तो राजा ही करेगा। इस फैसले पर जनता की तालियों के ज़ामिन यह मध्यजन ही बनते हैं। भला इन्हें अमान्य कैसे किया जा सकता है? आओ, क्यों न इन्हें इसे इस बनते संवरते समाज का जरूरी हिस्सा घोषित करके कानूनी मान्यता दे दी जाए। सही भी है, सिंहासन भी भला अपने पायों के बिना टिक सकता है। अपने इन सवालों के जवाब न पाकर बैतलवा फिर उसी डाल पर जा कर बैठ जाता है और आर्थिक विकास की इस दौड़ में ठूंठ रह गए उस मुक्तिवृक्ष में तलाश करता है कि क्या यह वही देश है जिसकी डाल-डाल पर सोने की चिडि़या बसेरा करती थी? मंदी ग्रस्त इस माहौल से उसे सोन चिडि़या तो चहचहाती हुई दिखाई नहीं देती, हां उपवास ग्रस्त, धैर्यवान पंख नुचे कबूतरों के हुजूम अवश्य दिखाई देते हैं, जिन्हें इन 75 सालों में चुनाव दर चुनाव कंजी आंखों वाले चुन्दि कौए सपनों का कोई न कोई नया बायस्कोप दिखाने लगते हैं। बीच रास्ते कौओं की डारें बदल गईं, बेताल को मुर्दा डालों से उतार कर नए मुक्ति प्रसंग देने के वायदे हुए, लेकिन कसमें, वायदे, प्यार वफा सब बातें हैं बातों का क्या? बेताल आज भी उसी डाली पर टंगा है, हां निचली डाली पर फंदा लेकर कोई गरीब आदमी मर गया।

भारतीय जनमानस के सनातन आदर्श श्रीराम

डा.रविंद्र सिंह भड़वाल

किसी भी व्यक्ति के जीवन में आदर्श का बेहद गहरा प्रभाव होता है। आदर्श में किसी भी व्यक्ति के आध्यात्मिक, सामाजिक और व्यावहारिक जीवन के मार्गदर्शन का अभूतपूर्व सामर्थ्य होता है। सनातन धर्म के ऐसे ही आदर्श भगवान श्रीराम सदियों से भारतीय समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करते रहे हैं। राम की नीति और रीति सदियों से भारत का मार्गदर्शन करती रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने इसी नीति और रीति के आलोक में, राम राज्य का सपना देखा था। स्वामी विवेकानंद भी भगवान राम और सीता माता के जीवन को आदर्श मानकर हमेशा सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करते रहे। इतना ही नहीं, आज भी भारतीय समाज जब कभी नकारात्मकताओं के अंधेरे में गोते खा रहा होता है, तो श्रीराम के जीवन को सामने रखकर सही मार्ग पकडऩे का प्रयास करता है। राम नवमी का पावन दिन उन्हीं प्रभु श्रीराम की आराधना के साथ-साथ जीवन की कठिन चुनौतियों और परीक्षाओं को भी सरल भाव से जीने के लिए आदर्श के रूप में अपनाने का अवसर लेकर आया है। स्वामी विवेकानंद ने भी मानव जीवन में उच्च मूल्यों के संचरण हेतु आदर्श की भूमिका को बार-बार रेखांकित किया है। भगवान श्रीराम की नीति और रीति का स्वामी विवेकानंद पर गहरा प्रभाव था। भगवान श्रीराम और सीता माता के जीवन की एक आदर्श के रूप में महिमा बताते हुए स्वामी विवेकानंद कहते हैं, राम और सीता भारतीय राष्ट्र के आदर्श हैं। सभी बालक-बालिकाएं विशेषतः कुमारियां सीता की पूजा करती हैं। भारतीय नारी की उच्चतम महत्त्वाकांक्षा यही होती है कि वह सीता के समान शुद्ध, पतिपरायण और सर्व सहिष्णु सर्वसहा बने। भगवान श्रीराम की महानता के पीछे उनके विराट व्यक्तित्व का प्रभाव साफ झलकता है। उनकी वीरता, उनकी उदारता उनकी सत्यनिष्ठा, उनकी निर्भीकता, उनका धैर्य, उनकी दृढ़ता उनके व्यक्तित्व को अद्वितीय बना देती है। उनकी दार्शनिक दृष्टि आज भी रोमांचित करती है।

इन सभी विशेषताओं के साथ जीवन जीते हुए उन्होंने जीवन की हर भूमिका को बड़ी संजीदगी के साथ निभाया। आदर्श पुत्र के रूप में जब बात पिता के वचन की आई, तो रघुकुल रीत के अनुसार राजपाट और महलों की तमाम सुख सुविधाओं का त्याग कर जंगल की राह पकड़ ली। भाई के रूप में लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ उनके स्नेह का उदाहरण बेजोड़ है। रावण जब छल से सीता का हरण कर ले गया, तो विशाल समुद्र जैसी बाधाएं लांघ लंका जाकर रावण की शक्तिशाली सेना को हराकर सीताजी का सकुशल लाते हैं। वनवास के बाद राजा के रूप में उन्होंने जिस नीति और रीति की आधारशीला रखी, वह आज भी हमें बार-बार रामराज्य के उल्लेख के लिए विवश कर देती है। संभवतः हर भूमिका में उनकी दूरदृष्टि और कुशल नीति के ही कारण शुक्र नीति में उनके लिए लिखना पड़ा, 'न राम सदृशो राजा पृथिव्यां नीतिमानभूत' अर्थात पूरी पृथ्वी पर श्रीराम के जैसा नीतिवान शासक कभी हुआ ही नहीं। भारतीय जनमानस पर राम का प्रभाव बेहद गहरा है। वह हमारी अस्मिता के प्रतीक रहे हैं। राम हमारे मन में गढ़े हुए हैं, हमारे भीतर घुल-मिल गए हैं। हम हर भाव में सहज ही उन्हें अंगीकार कर लेते हैं। कोई नया और दुष्कर काम करना हो, तो प्रेरणा के लिए हम भगवान राम की ओर ही देखते हैं। राम हमारी संस्कृति का आधार हैं। श्रीराम भारत की मर्यादा हैं, श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। जीवन का ऐसा कोई पहलू नहीं है, जहां हमारे राम प्रेरणा न देते हों। भारत की ऐसी कोई भावना नहीं है जिसमें प्रभु राम झलकते न हों। श्रीराम के जीवन का एक और भी पहलू है जो सबसे ज्यादा आकर्षित करता है। वह गुण है सबल होते हुए भी सरल होना। सारी शक्तियां, सारी ताकत होते हुए भी जमीन से जुड़ा होना और एक-एक व्यक्ति से संवाद करना, यही उनकी विशेषता है। आज राम नवमी के दिन हमारे पास अवसर है कि हम उनके जीवन के बहुउपयोगी पहलुओं को भलीभांति समझकर और उनके गुणों को अपनाकर अपने जीवन को एक सार्थक दिशा दें।

> "आज भी भारतीय समाज जब कभी नकारात्मकताओं के अंधेरे में गोते खा रहा होता है, तो श्रीराम के जीवन को सामने रखकर सही मार्ग पकडऩे का प्रयास करता है। राम नवमी का पावन दिन उन्हीं प्रभु श्रीराम की आराधना के साथ-साथ जीवन की कठिन चुनौतियों और परीक्षाओं को भी सरल भाव से जीने के लिए आदर्श के रूप में अपनाने का अवसर लेकर आया है'

पश्चिम के भौतिकवाद के प्रभाव में आज भारतीय समाज कई तरह की नकारात्मकताओं से घिर चुका है। इस बदली जीवनशैली में तनाव और अवसाद लगातार बढ़ते जा रहे हैं। इसके प्रभाव में आकर युवा नशे की चपेट में आ रहे हैं। कम उम्र के न केवल युवा, बल्कि युवतियां भी चिट्टे जैसे घातक सिंथेटिक नशों के साथ पकड़े जा रहे हैं। नशा तस्करी के बढ़ते मामले इस बात की तसदीक करते हैं कि हमारी ऊर्जा के मूल स्रोत यानी हमारे आदर्श हमसे ओझल होते जा रहे हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोरी नारेबाजी, पोस्टरबाजी या महज चिंताएं जाहिर करने से ये नकारात्मकताएं पीछा छोडऩे वाली नहीं हैं। जिस तरह से एक बंद कमरे में अंधेरे का अफसोस मनाते रहने से कमरा रोशन नहीं हो जाता। उस कमरे में रोशनी की व्यवस्था करने से ही वह अंधेरा दूर भागेगा। वैसे ही नशाखोरी को लेकर कोरी चर्चाएं या चिंताएं करते रहने से समाज में कोई सुधार नहीं होने वाला है। भौतिकवाद से उपजे उस अंधेरे को दूर करने के लिए आध्यात्मिक दिव्यता की लौ जलाना जरूरी है। दिव्यता के शाश्वत स्रोत श्रीराम का जब हम आदर्श के रूप में सहारा ले लेंगे, तो इन नकारात्मकताओं, दुख, अवसाद से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। राम को आदर्श के रूप में अपनाने की एक वजह यह भी है कि अब तक जितने भी महापुरुषों ने इस जगत के कल्याण के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया, उन सब की अपेक्षा श्रीराम के साथ सहज रूप के साथ एक आत्मिक जुड़ाव महसूस किया जा सकता है। श्रीराम का जीवन भी, एक सामान्य व्यक्ति की ही तरह विपत्तियों से घिरा रहा है। बाल जीवन में ही ताडक़ा और मारीच-सुबाहू जैसी आसुरी शक्तियों के साथ सामना होता है। जब राज्य मिलने का अवसर आया तो वनवास का आदेश हो गया। वन में भी कदम-कदम पर जीवन परीक्षाएं लेता रहा और एक सामान्य व्यक्ति की ही तरह वह एक के बाद एक परीक्षा में सफल होकर आगे बढ़ते रहे। कहना न होगा कि इन तमाम विपत्तियो-चुनौतियों से ही जूझते हुए वह जन-जन के राम बने हैं। ऐसे में भारतीय जनमानस के लिए एक आदर्श के रूप में श्रीराम का जीवन सहज रूप से सुलभ हो जाता है।

चिंतन विचार

बड़े आईनों में छोटी छवि

प्रदेश में ओपीडी की भीड़ एक संस्थान से दूसरे तक ट्रांसफर जरूर हो रही है, लेकिन अतीत के जिला अस्पताल अब निरर्थक हो चुके हैं, जबकि मेडिकल कालेज पूरे प्रदेश के विश्वास को अर्जित करने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं। ऐसे में मेडिकल संस्थानों के विस्तार ने केवल पद, प्रोमोशन और सियासी पदवियां ही पैदा की हैं,जबकि तरक्की तो संस्थानों में कार्य संस्कृति की होनी चाहिए थी।

बड़े आईने में छोटी तस्वीर की शिकायत न हो, तो छोटे हस्ताक्षर को कौन पढ़ेगा। हिमाचल विधानसभा में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर हुई बहस का एक अर्थ तो यही कि पिछले काफी समय से हिमाचल ने आईने तो बड़े कर लिए, लेकिन इनके भीतर अपनी छोटी होती छवि पर गौर नहीं किया। पूर्व में स्वास्थ्य मंत्री रहे विपिन सिंह परमार ने चिकित्सा संस्थानों में आवश्यक पदों की रिक्तियों को भरने की आवश्यकता पर बल देते हुए यहां तक कहा कि सारा तकनीकी विकास गौण हो जाएगा अगर मानव संसाधन रेखांकित नहीं हुए। यह दीगर है कि सुक्खू सरकार कुछ मेडिकल कालेजों का हुलिया बदलने के लिए रोबोटिक सर्जरी का तमगा पेश कर चुकी है और यह भी कि हर विधानसभा क्षेत्र के किसी एक चिकित्सा संस्थान को 'आदर्श' बनाने के लिए सुविधाओं, उपकरणों व आवश्यक पदों में विस्तार करना चाहती है। एमर्जेंसी सेवाओं की नई व्याख्या भी हो रही है, लेकिन चिकित्सा विभाग की अब तक की दौड़ अपनी न तो मंजिल, न उपलब्धि और न ही गुणवत्ता पेश कर सकी। प्रदेश में ओपीडी की भीड़ एक संस्थान से दूसरे तक ट्रांसफर जरूर हो रही है, लेकिन अतीत के जिला अस्पताल अब निरर्थक हो चुके हैं, जबकि मेडिकल कालेज पूरे प्रदेश के विश्वास को अर्जित करने में पूरी तरह सफल नहीं हुए हैं। ऐसे में मेडिकल संस्थानों के विस्तार ने केवल पद, प्रोमोशन और सियासी पदवियां ही पैदा की हैं, जबकि तरक्की तो संस्थानों में कार्य संस्कृति की होनी चाहिए थी। यह इसलिए भी कि मेडिकल सेवाओं का विस्तार केवल मेडिकल कालेजों की संख्या को बढ़ाते-बढ़ाते विभाग के आधारभूत ढांचे को नंगा व कमजोर कर गया। हिमाचल की चिकित्सकीय सेवाओं में जब तक 'रिस्पांस सिस्टम' विकसित नहीं होता, मरीजों की देखभाल के बजाय सियासी देखभाल में नए संस्थान यूं ही जन्म लेते रहेंगे।

आईजीएमसी के बाद टीएमसी के वजूद में जान डालने के लिए न केवल धर्मशाला का जोनल अस्पताल कुर्बान हुआ, बल्कि आसपास के दायरे में कई अन्य चिकित्सा संस्थान भी शहीद हो गए। इसके बाद हर तरह की सियासत और सत्ता को चिकित्सा क्षेत्र में मेडिकल कालेज के नाम पर जमूरा चाहिए था, तो फिर वह नए मेडिकल कालेजों की खेती में नेरचौक मेडिकल कालेज ने सर्वप्रथम मंडी के जोनल अस्पताल से फेफड़े छीन लिए और फिर यह परिक्रमा नाहन, हमीरपुर और चंबा के मेडिकल कालेजों से होते हुए बिलासपुर के एम्स और ऊना के पीजीआई सेटेलाइट सेंटर तक जा पहुंची। टीएमसी से छीने गए डाक्टर चंबा को ताकत नहीं दे पाए, तो भी यह कारवां आगे बढ़ कर नेरचौक, हमीरपुर और नाहन को सीने से लगाने लगा और अब यही आजमाइश एम्स की रिक्तियां भरने लगी है। यानी एक परिसर को विकसित करने की कीमत अदा करते हुए न जाने कितने चिकित्सा संस्थान दफन हो गए। इससे एक बुरी परिपाटी यह भी सामने आई कि प्रदेश में सरकारी चिकित्सा का पूरा ढांचा केवल 'रैफरल मोड' पर रहता है। धर्मशाला में कभी जिला स्तर का अस्पताल चंबा, हमीरपुर व ऊना के अलावा मंडी के कुछ क्षेत्रों को संतोषजनक सुविधाएं प्रदान करता था, लेकिन आज की तारीख में यह घोर निराशा का प्रतीक है। मंडी का जोनल अस्पताल अगर कमजोर हुआ तो इसकी मुख्य वजह नेरचौक में मेडिकल कालेज की स्थापना है। इसी तरह कितने ही सिविल अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी या डिस्पेंसरियां गैर जिम्मेदाराना ढंग से चल रही हैं, जिसे हम मेडिकल कालेजों के शोर में नहीं दबा सकते। आज की तारीख में अगर हर छोटा बड़ा शहर या कस्बा अगर निजी अस्पतालों की शरण में खुद को सुरक्षित मान रहा है, तो सरकारी चिकित्सा सेवाओं का ढर्रा बदलने की आवश्यकता है। हर शहर को एक उन्नत व सुविधा संपन्न अस्पताल की जरूरत है, जहां आवश्यक स्टॉफ उपलब्ध हो। जाहिर है सुक्खू सरकार के 'आदर्श अस्पताल' इस दिशा में जनता का विश्वास अर्जित करते हुए इस मांग को पूरा कर सकते हैं, बशर्ते आवश्यक सेवाओं के लिए आवश्यक स्टॉफ चौबीस घंटे सेवा दे सके। इसी के साथ सरकार को शिमला, मंडी व धर्मशाला के जोनल अस्पतालों के साथ-साथ तमाम क्षेत्रीय अस्पतालों में अतिरिक्त पदों का सृजन करते हुए इन्हें किसी न किसी रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल का दर्जा देना चाहिए। हिमाचल में बहुत योग्य डाक्टर व तमाम मेडिकल स्टॉफ उपलब्ध है, लेकिन स्थानांतरण नीति या राजनीतिक दखल से ऐसे व्यक्तियों के कौशल की अनदेखी हो रही है। जिस तरह दो साल के भीतर अध्यापकों की ट्रांसफर पर प्रतिबंध लगाने का सरकार सोच रही है, उसी तरह डाक्टरों व अन्य मेडिकल स्टॉफ को भी कम से कम पांच साल तक एक ही स्थाप पर अपनी क्षमता व समर्पण साबित करने की गारंटी मिलनी चाहिए।

इनसाइड

भारत दौरे पर रहेंगे अजय बंगा, PM मोदी और वित्त मंत्री सीतारमण से करेंगे मुलाकात

विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार अजय बंगा आज से दो दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह पीएम मोदी, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे।

नई दिल्ली। विश्व बैंक के अध्यक्ष पद के लिए अमेरिका के उम्मीदवार अजय बंगा दो दिवसीय भारत दौरे पर रहेंगे। वह 23 और 24 मार्च को नई दिल्ली में रहेंगे। इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा, वह केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई दिग्गजों से भी मुलाकात करेंगे। इस दौरान उनके बीच भारत की विकास प्राथमिकताओं, विश्व बैंक और वैश्विक आर्थिक विकास चुनौतियां पर चर्चाओं होंगी। इसके अलावा, बंगा लर्नेट इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स का भी दौरा करेंगे, जो राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के सहयोग से स्थापित व्यावसायिक संस्थानों का एक नेटवर्क है, जिसे विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। बंगा संस्थान के कार्यक्रम के बारे में जानेंगे और कार्यक्रम के प्रतिभागियों, कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और निजी क्षेत्र के भागीदारों से मिलेंगे। इस दौरान वह इस पर चर्चा करेंगे कि यह कार्यक्रम प्रतिभागियों, विशेष रूप से युवा लोगों के जीवन और आर्थिक अवसरों में सुधार कैसे कर रहा है। एक बयान में कहा गया है कि बंगा के नामांकन की घोषणा के तुरंत बाद भारत सरकार ने उनकी उम्मीदवारी का समर्थन किया और तबसे विभिन्न सरकारों के गठबंधन ने बंगा के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है, जिसमें बांग्लादेश, कोलंबिया, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, घाना, इटली, जापान, केन्या, सऊदी अरब, कोरिया गणराज्य और ब्रिटेन शामिल हैं। अपने वैश्विक भ्रमण के दौरान बंगा ने वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, हितधारकों, व्यापारिक नेताओं, उद्यमियों और नागरिक समाज के साथ मुलाकात की। इसमें कहा गया है कि अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, विकास विशेषज्ञों, अधिकारियों, नोबेल पुरस्कार विजेताओं और पूर्व सरकारी अधिकारियों का समर्थन हासिल करते हुए वह अपनी उम्मीदवारी के लिए निरंतर गति बनाए हुए हैं। अजय बंगा भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक हैं।

बाजार ने बीते दो दिनों की बढ़त गंवाई, सेंसेक्स 289 प्वाइंट टूटा, निफ्टी 17100 के नीचे

गुरुवार के ट्रेंडिंग सेशन के दौरान अदाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में 5 प्रतिशत की बढ़त जबकि एचएएल के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार के दिन बाजार की बिकवाली के जिम्मेदार बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयर रहे।

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन पिछले दो दिनों की बढ़त गंवाकर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 289.31 (-0.50%) अंक टूटकर 57,925.28 अंकों पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर निफ्टी 75.00 (-0.44%) अंकों की गिरावट के साथ 17,076.90 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार के ट्रेडिंग सेशन के दौरान अदाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में 5 प्रतिशत की बढ़त जबकि एचएएल के शेयरों में 5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार के दिन बाजार की बिकवाली के जिम्मेदार बैंकिंग और आईटी सेक्टर के शेयर रहे। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी। वहीं दूसरी ओर मेटल, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर के शेयर हरे निशान पर कारोबार करते हुए बंद हुए।

गुरुवार के कारोबारी सेशन के दौरान बीएसई के मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में क्रमशः 0.45% और 0.15% की गिरावट दर्ज की गई। इस बिकवाली के कारण बाजार में निवेशकों को करीब 87 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन 32 पैसे मजबूत होकर 82.27 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

एक्सेंचर में जाएंगी 19000 नौकरियां, कंपनी ने राजस्व वृद्धि और मुनाफे का अनुमान भी घटाया

माना जा रहा है मंदी से आशंका से परेशान उद्यमों को देखते हुए और प्रौद्योगिकी बजट में कटौती की चिंताओं के बीच कंपनी ने गुरुवार को अपनी वार्षिक राजस्व वृद्धि और लाभ पूर्वानुमानों को भी कम कर दिया है। कंपनी के ताजा अनुमानों के अनुसार स्थानीय मुद्रा में उसकी वार्षिक राजस्व वृद्धि 8% से 10% तक रह सकती है।

नई दिल्ली। आईटी सेवा प्रदाता कंपनी एक्सेंचर ने गुरुवार को कहा कि वह लगभग 19,000 नौकरियों में कटौती करेगी। कंपनी ने अपने वार्षिक राजस्व और मुनाफे के अनुमानों को भी कम करने का फैसला किया है। कंपनी के इस फैसले से ताजा संकेत ये मिल रहे हैं कि बिगड़ते वैश्विक आर्थिक दृष्टिकोण से आईटी सेवाओं पर कॉर्पोरेट कंपनियां अपना खर्च कम करने में जुट गईं हैं।

मंदी की आशंका के बीच कंपनी ने खर्च घटाने पर दिया जोर

माना जा रहा है मंदी से आशंका से परेशान उद्यमों को देखते हुए और प्रौद्योगिकी बजट में कटौती की चिंताओं के बीच कंपनी ने गुरुवार को अपनी वार्षिक राजस्व वृद्धि और लाभ पूर्वानुमानों को भी कम कर दिया है। कंपनी के ताजा अनुमानों के अनुसार स्थानीय मुद्रा में उसकी वार्षिक राजस्व वृद्धि 8% से 10% तक रह सकती है। पहले कंपनी ने 8% से 11% की राजस्व वृद्धि का अनुमाना लगाया था।

शेयर में आया चार प्रतिशत का उछाल

कंपनी ने बताया है कि उसकी ओर से की जा रही छंटनी में आधे से अधिक गैर-बिल योग्य कॉर्पोरेट कर्मचारी प्रभावित होंगे। कंपनी में छंटनी की खबर सार्वजनिक होने के बाद शेयर बाजार में कंपनी के शेयरों में चार प्रतिशत का उछाल दिखा।

मूडीज ने कहा-एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रा की कमजोरी चिंताजनक, भारत पर ज्यादा खतरा

मूडीज ने ये भी कहा कि अगर रुपये की स्थिति मजबूत नहीं होती है तो आरबीआई को मजबूरन बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। कमजोर रुपये को और अधिक टूटने से बचाने के लिए दरों में इजाफा करना पड़ सकता है।

नई दिल्ली। मूडीज एनालिटिक्स ने एशिया में उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को लेकर बड़ा दावा किया है। मूडीज का कहना है कि एशिया में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में मुद्राओं में कमजोरी का जोखिम चिंताजनक है। सबसे ज्यादा खतरा भारत पर है। अगर रुपया और अन्य मुद्राएं ऐसे ही कमजोर होती रहीं तो इसका खासा असर तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

मूडीज के अनुसार, रुपये की कमजोरी के चलते एशिया की सबसे अच्छी प्रदर्शन करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में से एक भारत की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। भारतीय रुपया लगभग एक साल से अस्थिर था और प्रमुख वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से कई नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। अक्टूबर 2022 में, रुपये ने अपने इतिहास में पहली बार 83 अंक को पार किया। अभी एक डॉलर की कीमत 82 रुपया है।

मूडीज ने ये भी कहा कि अगर रुपये की स्थिति मजबूत नहीं होती है तो आरबीआई को मजबूरन बड़े फैसले लेने पड़ सकते हैं। कमजोर रुपये को और अधिक टूटने से बचाने के लिए दरों में इजाफा करना पड़ सकता है।

रिपोर्ट में और क्या कहा गया?

मूडीज का कहना है कि आयातित वस्तुओं की उच्च लागत का सामना करने वाले विदेशी मुद्रा भंडार में कमी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा जारी मौद्रिक नीति को मजबूत करने से मुद्रा का मूल्यह्रास शुरू हो गया। किसी भी सख्त मौद्रिक नीति के बीच बेहतर और स्थिर रिटर्न के लिए निवेशक अमेरिका जैसे स्थिर बाजारों की ओर रुख कर सकते हैं। आमतौर पर भारतीय रिजर्व बैंक समय-समय पर बाजार में तरलता प्रबंधन के माध्यम से हस्तक्षेप करता है, जिसमें रुपये में भारी मूल्यह्रास को रोकने की दृष्टि से डॉलर की बिक्री भी शामिल है।

रिपोर्ट में भारत की मुद्रास्फीति का भी जिक्र किया गया है। कहा गया है कि यह अब नहीं बढ़ रही है, लेकिन उच्च खाद्य कीमतें एक प्रमुख चिंता का विषय हैं। बता दें कि फरवरी में ही भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले 10 महीनों में लगातार छठी बार रेपो रेट बढ़ाने का एलान किया था। इसके चलते लोन की ब्याज दरों में बढ़ोत्तरी हुई।

आरबीआई ने आठ फरवरी 2023 को मौद्रिक नीति की बैठक में रेपो दर को फिर से 0.25 फीसदी बढ़ा दिया था। यह छठी बार था जब केंद्रीय बैंक ने पिछले साल मई से लगातार रेपो दर में वृद्धि की। इसके पहले आरबीआई ने दिसंबर 2022 में रेपो रेट में 35 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोत्तरी की थी। अब ताजा बढ़ोत्तरी के बाद रेपो रेट बढ़कर 6.5 फीसदी हो गई है। मूडीज का दावा है कि अगर मुद्रा में कमजोरी जारी रही तो अगले महीने यानी अप्रैल में भी आरबीआई रेपो रेट में बढ़ोतरी कर सकती है।

अरबपतियों की संख्या 8 फीसदी घटी, भारत में 16 नए बने, अदाणी की संपत्ति में 60 फीसदी की गिरावट

एमएम हुरून ग्लोबल अमीरों की सूची के अनुसार, 2023 में पूरी दुनिया में 99 शहरों के 18 उद्योगों से 176 नए अरबपति बने। 2022 में कुल 3,384 अरबपति दुनिया में थे। 2023 में इनकी संख्या घटकर 3,112 रह गई है।

नई दिल्ली। वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती से इस साल जहां दुनियाभर के अरबपतियों की संख्या में 8 फीसदी की कमी आई है, वहीं भारत में 16 नए अरबपति बने हैं। इन 16 में शीर्ष पर राकेश झुनझुनवाला का परिवार है। राकेश के निधन के बाद से उनकी पत्नी इस समय कारोबार संभाल रही हैं।

एम3एम हुरून ग्लोबल अमीरों की सूची के अनुसार, 2023 में पूरी दुनिया में 99 शहरों के 18 उद्योगों से 176 नए अरबपति बने। 2022 में कुल 3,384 अरबपति दुनिया में थे। 2023 में इनकी संख्या घटकर 3,112 रह गई है। ये सभी 69 देशों से हैं और ये 2,356 कंपनियों के मालिक हैं। पांच सालों में भारतीय अमीरों की संपत्ति 360 अरब डॉलर बढ़ी जो हांगकांग की जीडीपी के बराबर है।

60 फीसदी घटकर 53 अरब डॉलर रह गई अदाणी की संपत्ति

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेजन के जेफ बेजोस की संपत्ति में इस साल 70 अरब डॉलर की गिरावट आई है जो मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी को हुए घाटे से भी ज्यादा है। अदाणी की संपत्ति 28 अरब डॉलर घटकर 53 अरब डॉलर रह गई है। इसमें 60 फीसदी की गिरावट आई है। यानी हर हफ्ते 3,000 करोड़ रुपये घटी है। इससे अमीरों की सूची में वे दूसरे स्थान से गिरकर 23वें पर आ गए हैं। अंबानी की संपत्ति 21 अरब डॉलर घटी है।

बेजोस को सबसे ज्यादा नुकसान

नुकसान वाले अरबपतियों में जेफ बेजोस शीर्ष पर हैं और उनकी संपत्ति 118 अरब डॉलर है। जबकि 53 अरब डॉलर की संपत्ति वाले अदाणी छठे और 82 अरब डॉलर वाले अंबानी सातवें स्थान पर हैं।

टेस्ला के एलन मस्क को 48 अरब डॉलर, सर्जी ब्रिन को 44 अरब डॉलर और लैरी पेज को 41 अरब डॉलर का घाटा हुआ है। डीमार्ट के मालिक आरके दमानी की संपत्ति 30% घटी है। वे शीर्ष 100 अमीरों की सूची से बाहर हो गए हैं।

पिछले साल UPI से हुई 195 करोड़ से अधिक का लेनदेन

95 हजार लोग हुए धोखाधड़ी का शिकार

2020-21 में 77 हजार और 2021-22 में 84 हजार लोग यूपीआई से लेनदेन के दौरान धोखाधड़ी के शिकार हुए थे

परिवहन विशेष न्यूज

चिंता की बात ये है कि धोखाधड़ी के शिकार होने वालों की संख्या पिछले तीन साल से बढ़ती जा रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2020-21 में 77 हजार और 2021-22 में 84 हजार लोग यूपीआई से लेनदेन के दौरान धोखाधड़ी के शिकार हुए थे।

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने संसद में बताया है कि वित्तीय वषर्र 2022-23 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) के जरिए 125 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है। इस दौरान 95 हजार से ज्यादा लोग धोखाधड़ी के शिकार भी हुए हैं। चिंता की बात ये है कि धोखाधड़ी के शिकार होने वालों की संख्या पिछले तीन साल से बढ़ती जा रही है। आंकड़े बताते हैं कि 2020-21 में 77 हजार और 2021-22 में 84 हजार लोग यूपीआई से लेनदेन के दौरान धोखाधड़ी के शिकार हुए थे।

सरकार ने क्या कहा?

संसद में आंकड़ो को पेश करते हुए केंद्र सरकार ने बताया कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़े बताते हैं कि पिछले साल 125 करोड़ से अधिक का यूपीआई लेनदेन पूरा किया गया था, जो पिछले तीन वर्षों से अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली को भी वैश्विक स्वीकृति मिली है। सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, नेपाल और भूटान जैसे देशों ने भी इसे अपना लिया है।

राज्यसभा सांसद ने उठाया था सवाल

भारत में डिजिटल भुगतान धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने सवाल उठाया था। इसका जवाब देते हुए केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने ये आंकड़े जारी किए। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री कराड ने संसद में कहा, 'UPI एप्लिकेशन एक अज्ञात लाभार्थी को भुगतान शुरू करने वाले उपयोगकर्ता की इन-ऐप सूचना प्रदान करते हैं। डिवाइस-बाइंडिंग अवधारणा, जिसमें उपयोगकर्ता का मोबाइल नंबर उसके मोबाइल डिवाइस से जुड़ा होता है, जिससे किसी के लिए हस्तक्षेप करना लगभग असंभव हो जाता है।' कराड ने कहा कि सरकार शिकायतों को दर्ज करने के लिए राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल भी लेकर आई है।

तस्वीरों में इंदौर मंदिर हादसा, अपनों को खून में लथपथ देख बिलख पड़े लोग

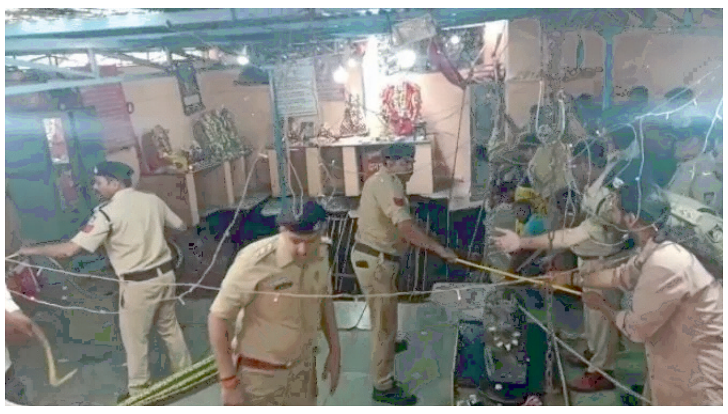

इंदौर में रामनवमी पर बड़ा हादसा: कन्यापूजन के दौरान बावड़ी धंसी, 50 से ज्यादा गिरे, 13 की मौत, PM ने ली जानकारी

इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। स्नेह नगर के पास पटेल नगर में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर पर बावड़ी की छत धंसने से 50 से अधिक लोग बावड़ी में जा गिरे। हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है।

इंदौर। इंदौर में रामनवमी पर एक बड़ा हादसा हो गया। स्नेह नगर के पास पटेल नगर में श्री बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के बाद कन्या पूजन चल रहा था। इस दौरान बावड़ी की छत धंस गई और वहां मौजूद 50 से अधिक लोग उसमें गिर गए। हादसे में 13 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने इसकी पुष्टि की है। इससे पहले इंदौर कलेक्टर इलैयाराजा ने 12 की मौत की जानकारी दी थी। बताया जा रहा है कि 11 की लाश बावड़ी से निकाली। दो घायलों की अस्पताल में मौत हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मृतकों को पांच लाख और घायलों को पचास हजार देने की घोषणा की है। उधर प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे की भयावहता देखकर लग रहा है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचने वाले हैं।

घटनास्थल पर हादसे के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया था। किसी को कुछ समझ ही नहीं आया कि अचानक क्या हो गया। फिर भी स्थानीय लोगों ने सक्रियता दिखाई और दस लोगों को बाहर खींच लिया। घायलों को एप्पल हॉस्पिटल लेकर जाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी मौके पर हैं। राहत एवं बचाव कार्यों को गति दे दी गई है। वहीं, मंदिर के पास रहने वाले लोगों का कहना है कि बावड़ी अवैध रूप से बनाई गई है, कई बार प्रशासन से इसकी लिखित शिकायत भी की जा चुकी है।

इंदौर में हुई घटना को लेकर गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि 13 लोगों के मरने की दुखद खबर मिली है। 1 बच्ची भी लापता बताई जा रही है। उसकी तलाश की जा रही है। मुख्यमंत्री ने दिए हादसे को लेकर जांच के आदेश दे दिए हैं। प्रधानमंत्री ने भी की हादसे को लेकर मुख्यमंत्री से चर्चा की है। कल गृह मंत्री मिश्रा इंदौर पहुंचेंगे।

हादसे में 13 की मौत

हादसे में 13 लोगों के मौत की सूचना है। इसमें 11 महिलाएं हैं तो 1 पुरुष। घायलों को पास के एप्पल हॉस्पिटल में इलाज के लिए लाया गया है। जबकि गंभीर घायलों को एमवाय अस्पताल में ले जाया गया है। हादसे में मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। हालांकि, पानी कम था, जिससे गिरने के बाद भी लोग अंदर खड़े दिखे। पर एक के ऊपर एक गिरने से लोग घायल हुए हैं।

इंदौर कलेक्टर इलैयाराजा ने बताया कि 19 लोगों को रेस्क्यू कर के सुरक्षित बाहर निकाला गया है। जो भी जिम्मेदार होगा, उस पर कठोरतम धाराओं में केस दर्ज होगा। घटना के मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। घायलों और मृत परिवार को सहायता राशि दी जाएगी।

10 फीट पानी होने से बढ़ रहा मौत का आंकड़ा

लोगों ने बताया कि जिस बावड़ी में लोग गिरे हैं, उसमें करीब 10 फीट पानी भरा है। लोग गिरे, ऊपर से मलबा गिरा। इस वजह से जो लोग नीचे गिरे, उनकी मौत हुई है। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ सकता है। प्रशासन अब बावड़ी का पानी खाली कराने की तैयारी कर रहा है। इसके बाद फिर गिरे लोगों की तलाश की जाएगी। बताया जा रहा है कि टीम ने जो नजर आ रहे थे वे सभी शव निकाल लिए हैं।

हादसे में बचाए गए घायलों की लिस्ट जो एप्पल अस्पताल में भर्ती हैं-

भारती गुलानी (28), महेश कौशल (49), रौनक पाल (37), ज्योति पटेल (55), लक्ष्मीनारायण शर्मा, ललित सेठिया (44), बेबी अलिना (7), बेबी वेदा (3), मुरली सबनानी (54), शांता पटेल (57), भावेश पटेल (37), लक्ष्मण दलवानी (53), पंकज पटेल (47), दीपा खानचंदानी (52), माया गुलानी (48), नंदनी दशोरे (15), आकाश मोटवानी (25), कनक पटेल (32)।

मंदिर के अंदर बनी है बावड़ी

दरअसल, मंदिर में ही एक बावड़ी है, जिसकी छत धंस गई। उस समय मंदिर में हवन हो गया था और लोग बावड़ी पर बैठे थे। वजन बढ़ने से अचानक बावड़ी की छत भरभराकर ढह गई। लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही नीचे गिर गए। गिरने वालों में कुछ बच्चियां भी बताई जा रही हैं। रामनवमी होने से मंदिर में भीड़ भी अधिक थी। राहत की बात यह है कि स्थानीय लोगों ने तत्काल सक्रियता दिखाई और करीब दस लोगों को बाहर निकाल लिया।

वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे

अब तक दस लोगों को बाहर निकाला जा चुका है। पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिए हैं। एसडीआरएफ की टीम भी फंसे लोगों को निकाल रही है। मंदिर से सभी श्रद्धालुओं को बाहर कर दिया गया है। एंबुलेंस भी पहुंच गई है। अब तक यह साफ नहीं हो सका है कि जो लोग बाउडी में गिरे हैं, उनकी स्थिति कैसी है। उन्हें रस्सी से खींचकर बाहर निकालने का प्रयास भी किया जा रहा है।

सीएम ने फोन पर ली जानकारी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में बेलेश्वर महादेव मंदिर स्थित बावड़ी में श्रद्धालुओं के गिरने की घटना पर संज्ञान लिया। सीएम ने इंदौर कलेक्टर, कमिश्नर से फोन पर चर्चा कर रेस्क्यू ऑपरेशन को तेज करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय, इंदौर जिला प्रशासन से निरंतर संपर्क में है। इंदौर पुलिस के आला अधिकारी, जिला प्रशासन के आला अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद है। तेजी से बावड़ी में फंसे श्रद्धालुओं को निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के निर्देश

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंदौर में पुरानी निजी बावड़ी के धंस जाने से व्यक्तियों की असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि है यहघटना दुर्भाग्यपूर्ण है। अनेक प्रयासों के बाद कई नागरिकों को बचाया नहीं जा सका। घटना की जांच के निर्देश दिए गए हैं। सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि घटना में दिवंगत लोगों के परिजन को पांच-पांच लाख रुपये की राहत राशि प्रदान की जाएगी। घायलों के निः शुल्क उपचार के साथ 50 हजार प्रति घायल को राशि प्रदान की जाएगी।

पीएम मोदी ने सीएम से लिया अपडेट

इंदौर में हुए हादसे की जानकारी लगने के बाद पीएम मोदी ने सीएम शिवराज से घटना की जानकारी ली। पीएम ने ट्वीट कर लिखा कि इंदौर में हुए हादसे से बेहद आहत हूं। सीएम शिवराज से बात कर स्थिति की जानकारी ली। राज्य सरकार बचाव और राहत कार्य में तेजी से आगे बढ़ रही है। मेरी प्रार्थना उन सभी प्रभावितों और उनके परिवारों के साथ हैं।

पूर्व सीएम कमलनाथ ने किया ट्वीट

पूर्व सीएम कमलनाथ ने इंदौर के मंदिर में हुए हादसे पर चिंता व्यक्त की उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि इंदौर के बेलेश्वर महादेव झूलेलाल मंदिर में हवन के दौरान लोगों के बावड़ी में गिर जाने का दुखद समाचार प्राप्त हुआ। मैं ईश्वर से सभी श्रद्धालुओं के सकुशल बाहर आने की कामना करता हूं। प्रभु श्रीराम सबकी रक्षा करें। कमलनाथ ने एक और ट्वीट कर कहा कि मंदिर में हवन के दौरान बावड़ी में गिरने से कुछ लोगों की मृत्यु का समाचार सामने आ रहा है। कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता घटनास्थल पर मौजूद हैं। मैं कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से अपील करता हूं कि इस संकट की घड़ी में हर संभव मदद करें।

CM योगी ने इंदौर हादसे पर जताया दुःख

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि इंदौर में हुई दुर्घटना अत्यंत दुःखद है, मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से सबकी कुशलता के साथ घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना है।

भीड़ संभालने बल प्रयोग कर रही पुलिस

बताया जा रहा है कि घटना स्थल पर भीड़ बार-बार उग्र हो रही है। लोग अपने परिजनों को लेकर बेहद परेशान हैं। जानकारी के अनुसार 50 से अधिक महिलाएं-बच्चियां और बच्चे कुए के अंदर दबे हुए हैं। एक-एक करके सभी को निकालने का प्रयास जारी है। प्रशासन राजनेता सभी पूरी तरह से लगे हुए हैं। हालात संभाले जा रहे हैं भीड़ को संभालने के लिए पुलिस को बार-बार बल प्रयोग भी करना पड़ रहा है।

भाजपा पार्षद ने बनवाया था मंदिर

बताया जा रहा है कि बेलेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण भाजपा के पूर्व पार्षद सेवाराम गल्लानी ने कराया था। वर्तमान में इस क्षेत्र के विधायक आकाश विजयवर्गीय हैं।

उपद्रव पर फड़णवीस बोले- भड़काऊ बयान देने से बचें नेता, पढ़िए सीएम शिंदे ने क्या कहा

हिंसा पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, कुछ लोग भड़काऊ बयान देकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेताओं को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थितियों में कैसे व्यवहार करना है।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि संभाजी नगर में भीड़ ने पुलिस कर्मियों पर कथित रूप से हमला किया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। डिप्टी सीएम ने नेताओं से अपील की है कि इसपर भड़काऊ बयान न दें। इसे राजनीतिक रंग देने से बचे। वहीं महाराष्ट्र सीएम ने कहा कि कानून व्यवस्था खराब न करें।

पढ़िए क्या है पूरा मामला

संभाजी नगर के किराडपुरा इलाके में बुधवार रात कुछ युवक आपस में भिड़ गए। इसके बाद 500 लोगों ने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले को एक घंटे में शांत करा दिया गया। बता दें, जहां उपद्रव हुआ है, वहां भगवान राम का एक प्रसिद्ध मंदिर भी है, जहां रामनवमी पर भारी भीड़ उमड़ने की संभावना थी।

नेताओं को राजनीति करने से बचना चाहिए

हिंसा पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री ने कहा कि घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के प्रयास जारी हैं। हालांकि, कुछ लोग भड़काऊ बयान देकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नेताओं को पता होना चाहिए कि ऐसी स्थितियों में कैसे व्यवहार करना है। इसलिए, अगर कोई इस तरह के गलत बयान दे रहा है, तो उन्हें इससे बचना चाहिए। सभी को शांति बनाए रखनी चाहिए। अगर कोई इस घटना को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहा है, तो यह यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

शीर्ष अदालत ने अवमानना की कोई कार्रवाई नहीं की

पुलिस के मुताबिक, हिंसा में कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए हैं। घटना में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना ने भड़काऊ भाषणों पर लगाम लगाने में कथित नाकामी के लिए महाराष्ट्र के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए बुधवार को नफरत फैलाने वाले भाषणों पर गंभीर आपत्ति जताई है। हालांकि, फडणवीस ने कहा कि शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार के खिलाफ कोई अवमानना कार्रवाई शुरू नहीं की।

फडणवीस ने कहा, ₹सबसे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी कोई टिप्पणी नहीं की है। सॉलिसिटर जनरल ने अदालत को बताया कि अन्य राज्यों में क्या हो रहा है और केवल महाराष्ट्र को निशाना बनाया जा रहा है। तब अदालत ने सभी राज्यों के लिए एक सामान बयान दिया कि राज्य सरकारों को कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अनावश्यक रूप से इसका गलत अर्थ निकाल रहे हैं।

महाराष्ट्र सीएम भी बोले

वहीं महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा कि मैं अधिकारियों और लोगों से अपील करता हूं कि क्षेत्र में शांति बनाए रखें। जिस तरह आजतक प्रदेश में सभी त्योहार मनाए गए हैं, वैसे ही त्योहार मनाने चाहिए। कानून व्यवस्था को खराब न करें।

वडोदरा में रामनवमी की शोभायात्रा पर पत्थरबाजी मौके पर पहुंची पुलिस

बजरंग दल के एक स्थानीय नेता ने आरोप लगाया कि यह जानने के बावजूद कि इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है, पुलिस कहीं नजर नहीं आई जबकि हर साल इस मार्ग पर निकाले जाने वाले जुलूस पर हमला किया जाता है।

नई दिल्ली। गुजरात के वडोदरा में गुरुवार को रामनवमी के मौके पर पत्थरबाजी की खबर सामने आई है। बताया गया है कि कुछ शरारती तत्वों ने शोभायात्रा में पत्थर फेंके। इस दौरान कुछ गाड़ियों में भी तोड़फोड़ किया गया। वडोदरा के डीसीपी यशपाल जगनिया ने कहा, ₹वडोदरा सिटी थाना क्षेत्र में एक मस्जिद के सामने दो गुटों के बीच टकराव हुआ था लेकिन कोई तोड़-फोड़ नहीं हुई है, मस्जिद के सामने से जब यात्रा निकल रही थी तब कुछ लोग एकत्रित हो गए थे लेकिन उन्हें समझाकर वापस भेज दिया गया। इलाके में शांति है, शोभा यात्रा आगे निकल चुकी है।

बजरंग दल के एक स्थानीय नेता ने आरोप लगाया कि यह जानने के बावजूद कि इस तरह की घटना पहले भी हो चुकी है, पुलिस कहीं नजर नहीं आई जबकि हर साल इस मार्ग पर निकाले जाने वाले जुलूस पर हमला किया जाता है। हालांकि डीसीपी जगनिया ने दावा किया कि गुरुवार को शहर में निकाले गए हर जुलूस को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई थी।

पुलिस ने दिया भरोसा, कहा- स्थिति नियंत्रण में

उन्होंने कहा, ''स्थिति नियंत्रण में है। यह घटना तब हुई जब जुलूस एक मस्जिद के पास पहुंचा और लोग घटनास्थल पर इकट्ठा होने लगे। यह सांप्रदायिक दंगा नहीं है। हमने भीड़ को तितर-बितर किया और इस दौरान जुलूस भी अपने मार्ग पर आगे बढ़ गया। शहर में इस तरह के सभी जुलूसों को पहले से ही पुलिस सुरक्षा मुहैया करायी गई थी।₹

घटना की जांच के आदेश दिए गए

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज निनामा भी मौके पर पहुंचे और शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, 'हमने नियमित पुलिस, अपराध शाखा, एसओजी और राज्य रिजर्व पुलिस बल के सशस्त्र कर्मियों को तैनात किया है। फिलहाल पथराव में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हमने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 98117320959.
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय में ही होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित किये गये मसौदे के लिए लेखक स्वयं जिम्मेदार हैं। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023